पौष कृष्ण पक्ष -13-2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 164 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
17 दिसंबर 2025 बुधवार

आज का मौसम
26.2 अधिकतम
5.1 न्यूनतम

न्यूज विंडो

नीरव मोदी को लगा झटका प्रत्यर्पण के खिलाफ सुनवाई टली

नई दिल्ली,एजेंसी। फरार हीरा कारोबारी नीरव मोदी की भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील दोबारा खोलने की याचिका पर सुनवाई को ब्रिटेन की हाई कोर्ट ने मार्च 2026 तक के लिए टाल दिया है। यह फैसला भारतीय अधिकारियों द्वारा उसकी हिरासत की शर्तों को लेकर दिए गए नए और विस्तृत आश्वासनों के बाद लिया गया। इस मामले में लंदन स्थित रॉयल कोर्ट्स ऑफ जस्टिस में लॉर्ड जस्टिस जेरेमी स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस रॉबर्ट जे की पीठ के समक्ष सुनवाई हुई।

अमेरिका ने की घेराबंदी, मादुरो सरकार आतंकी संगठन घोषित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर दबाव को और तेज करते हुए सभी सैंक्शन वाले तेल टैंकरों की आने-जाने पर पूरी तरह नाकाबंदी का आदेश दिया। यह कदम निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा फैसला है, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ यानी तेल निर्यात को सीधे निशाना बनाता है। ट्रंप ने इसे दक्षिण अमेरिका में अब तक की सबसे बड़ी नौसेना तैनाती का हिस्सा बताया और चेतावनी दी कि दबाव और भी बढ़ेगा।

अहमदाबाद में सात स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में सात स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। कलोल में भी एक स्कूल को उड़ाने की धमकी दी गई है। इस धमकियों के मिलने के साथ ही पुलिस प्रशासन और बम स्क्वॉड की टीम ने जांच शुरू कर दी है। अहमदाबाद में जिन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, उनमें जेबर स्कूल, जायडस स्कूल, महाराजा अग्रसेन स्कूल, सीबीएसई डिवाइन चाइल्ड स्कूल, निर्माण स्कूल, जेम्स एंड जेनेसिस और डीएवी इंटरनेशनल स्कूल का नाम शामिल है। कलोल के आविष्कार स्कूल को भी धमकी भरा मेल आया है। स्कूलों के पास जैसे ही ये ई-मेल आया, इसके बाद से ही पुलिस कंट्रोल रूम अलर्ट पर है। पुलिस प्रशासन ने इस धमकी को गंभीर रूप से लिया और स्कूल में मौजूद सभी बच्चों को तुरंत ही बाहर निकाला।

भीषण सड़क हादसा, 3 लोग जिंदा जले, मरने वालों में 2 एमपी के

अलवर, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार देर रात एक पिकअप में आग लग गई। हादसे में तीन लोग बुरी तरह जल गए और मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर रूप से झुलसा हुआ व्यक्ति को जयपुर रेफर किया गया। हादसा रैणी थाना क्षेत्र में रात करीब 1 बजे हुआ। एएसआई मोहम्मद आमीन ने बताया कि अनुमान है कि पिकअप को ड्राइवर साइड की तरफ किसी वाहन ने टक्कर मारी। टक्कर लगते ही पिकअप में आग फैल गई। आग के तेज होने के कारण पिकअप में सवार लोगों के बाहर निकलने का मौका नहीं मिला।

कबड्डी प्लेयर की हत्या करने वाले शूटर का एनकाउंटर

चंडीगढ़, एजेंसी। मोहाली के सोहाना गांव में 15 दिसंबर को कबड्डी मैच के दौरान प्रशंसक बनकर आए तीन युवकों ने सेल्फी के बहाने की गोलियां मारकर हत्या कर दी। पंजाब पुलिस ने शूटरों की पहचान की है। इनकी पहचान आदित्य और करण के रूप में हुई है। वहीं, आज अमृतसर में शूटर आदित्य का एनकाउंटर कर दिया गया है। यह एनकाउंटर कब और कैसे हुआ इसकी विस्तृत जानकारी आना बाकी है।

आज का कार्टून

सात दशक की यात्रा पर प्रदर्शनी का राज्यपाल ने किया उद्घाटन

मनरेगा का नाम बदलने पर कांग्रेस की नारेबाजी

विस के विशेष सत्र में 2047 के 'विजन एमपी' की झलकः मुख्यमंत्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश विधानसभा ने अपने स्थापना के 69 साल पूरे कर लिए हैं। ऐसे में आज विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र चल रहा है। हालांकि, आयोजन से पहले ही मनरेगा योजना का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस के विधायकों ने विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, एक तरफ मोदी गांधी के चरखे चलाने की बात करते हैं। दूसरी तरफ महात्मा गांधी के नाम पर जो मनरेगा योजना थी, उस योजना में पैसा डालना बंद कर दिया। अब योजना का नाम बदलना चाहते हैं। क्या इन्हें बापू से डर लगता है?

इस बीच , विधानसभा परिसर में 'विधानसभा की सात दशक की यात्रा' विषय पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने किया। यह प्रदर्शनी विधानसभा की ऐतिहासिक यात्रा, महत्वपूर्ण उपलब्धियों और विभिन्न कालखंडों के संसदीय कार्यों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करती है। प्रदर्शनी में प्रथम विधानसभा से लेकर वर्तमान 16वीं विधानसभा तक के अहम क्षणों को दर्शाया गया है। इस मौके पर सीएम ने कहा कि, 1956 में बनी विधानसभा और इसकी सभी स्मृतियां इस विशेष सत्र के माध्यम से जीवंत हो रही हैं। सकारात्मक भाव से यह विशेष सत्र रखा गया है जिसमे 2047 का विजन दिखाई देगा। विशेष सत्र में सरकार अपना रोडमैप को पेश कर रही है जिसमें प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने और विकसित भारत के लक्ष्य में मध्यप्रदेश की भूमिका पर चर्चा होगी। पक्ष और विपक्ष के सदस्य इस विषय पर विचार रखेंगे।

विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान परिसर में आयोजित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर।

प्रवेश पत्र लेकर प्रदर्शनी देख सकेंगे आम नागरिक

विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने बताया कि इस प्रदर्शनी में कुल 136 चित्र लगाए गए हैं, जो विधानसभा के विकासक्रम को रेखांकित करते हैं। यह प्रदर्शनी 18 दिसंबर से 25 दिसंबर तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी। कोई भी नागरिक विधानसभा परिसर में प्रवेश पत्र बनवाकर इस प्रदर्शनी को देख सकेगा। एंट्री का पास बनवाने के लिए आधार कार्ड, स्कूल या कॉलेज का परिचय पत्र लाना जरूरी होगा।

कांग्रेस का आरोप-गांधी का हो रहा अपमान

सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेस विधायकों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि बीजेपी महात्मा गांधी का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि राम जी के नाम पर कोई नई योजना लानी चाहिए थी, राम जी के नाम पर कोई नई योजना आती तो हम उसकी तारीफ करते। जवाब में विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल किया। हम महात्मा गांधी के विचारों और कार्यों का अनुसरण कर रहे हैं।

दिल्ली में 50% वर्क फ्रॉम होम, मजदूरों को 10 हजार देगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में पॉल्यूशन को देखते हुए रेखा सरकार ने दो बड़े निर्णय लिए हैं। निर्माण कार्य रुकने से प्रभावित सभी रजिस्टर्ड और वेरिफाइड निर्माण मजदूरों के खातों में डीबीटी करके 10 हजार रुपये भेजे जाएंगे। वहीं, दूसरे निर्णय के तहत दिल्ली के सभी सरकारी व प्राइवेट दफ्तरों में 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम मैंडेटरी होगा और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए छूट रहेगी। यह जानकारी आज मंत्री कपिल मिश्रा ने दी।

कल से 12 लाख गाड़ियों की दिल्ली में एंट्री बैन

उधर दिल्ली की 'जहरीली हवा' को साफ करने की कवायद में सरकार ने एक और फैसला लिया है। कल से नॉन-बीएस-VI (Non-BS-VI) वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया है। यह फैसला सिर्फ एक प्रशासनिक आदेश नहीं है, बल्कि गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के उन लाखों परिवारों के लिए एक बड़ा झटका है, जिनके पास नॉन-बीएस-VI श्रेणी से नीचे की गाड़ियां हैं। इन तीनों शहरों में करीब 12 लाख गाड़ियां नॉन-बीएस-VI श्रेणी से नीचे की हैं। सरकारी आदेश के बाद ये दिल्ली में नहीं आ सकती।

लुधियाना की सेंट्रल जेल में भारी बवाल

250 कैदियों का हमला, जेल अधीक्षक का सिर फोड़ा, जान बचाने भागे अफसर

लुधियाना, एजेंसी

लुधियाना के ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल जेल में देर रात कैदियों के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। जब जेल प्रशासन और पुलिस जवानों ने उन्हें कंट्रोल करने का प्रयास किया तो कैदियों ने पुलिस अधिकारियों पर हमला कर दिया और ईंट मार कर जेल सुपरिंटेंडेंट कुलवंत सिद्धू का सिर फोड़ दिया। उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस हिंसा से जेल में अफरातफरी मच गई है और यहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सेंट्रल जेल के बाहर तनाव

ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल जेल में कल दिन के समय में कैदियों में लड़ाई हुई थी। इसके रात दोबारा कैदियों के बीच किसी बात को लेकर झड़प हो गई। जेल सुपरिटेंडेंट सिद्धू अन्य अफसरों के साथ हालात शांत करने पहुंचे तो कैदियों ने उन पर भी हमला कर दिया। एक कैदी ने उनके सिर पर ईंट मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य अफसरों ने भाग कर जान बचाई। करीब 250 कैदियों ने पुलिस वालों पर हमला किया है। घटना के तुरंत बाद सेंट्रल जेल के बाहर माहौल तनावपूर्ण हो गया। जेल परिसर के अंदर से करीब 20 मिनट तक सायरन की आवाजें सुनाई देती रही।

'द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया'

अदीस अबाबा। आज अदीस अबाबा में आयोजित समारोह में इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया' से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इथियोपिया की सरकार और वहां के लोगों का आभार जताया। उन्होंने इसे गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि यह सम्मान भारत और इथियोपिया के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत और स्थायी रिश्तों का प्रतीक है।

हिजाब विवाद पर पाक आतंकी की धमकी

नीतीश माफी मांगें या फिर अंजाम भुगतने को रहें तैयार

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हिजाब मामले में पाकिस्तान के चर्चित आतंकी शहजाद भट्टी ने धमकी दी है। उसने सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे, नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा। भट्टी ने कहा कि सभी लोगों ने देखा होगा कि बिहार में क्या हुआ? किस तरह से एक बड़े पद पर बैठे शख्स ने एक मुस्लिम महिला के साथ ऐसा व्यवहार किया। भट्टी ने कहा कि उस व्यक्ति के पास अभी समय है, वह उस महिला से माफी मांग लें। अगर आज माफी नहीं मांगी तो जिम्मेदार संस्थाओं को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

माइनिंग कारोबारी के ठिकानों पर ईडी की रेड

कटनी। आज तड़के आयकर विभाग ने कार्रवाई करते हुए माइनिंग कारोबारी व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा व उनके भाइयों के ठिकानों पर छापेमारी की है। विभाग की टीम ने एक साथ घर, कार्यालय और अन्य परिसरों पर दबिश दी। भोपाल, इंदौर और जबलपुर की टीम के दो दर्जन से अधिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उनके जालपा देवी वार्ड निवास व कार्यालय के साथ टिकरिया और सिघनपुरी स्थित माइंस में में भी आयकर विभाग की टीम जांच में जुटी है।

खून चढ़ाने से बच्चों को एचआईवी की जांच के लिए कमेटी बनी, 9 महीने तक दबा रहा मामला

सतना, एजेंसी। सतना में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों को एचआईवी पॉजिटिव ब्लड चढ़ाने के मामले में नया खुलासा हुआ है। यह मामला सबसे पहले मार्च में सामने आया था, लेकिन इसे दबाए रखा गया। अब स्वास्थ्य आयुक्त तरुण राठी ने जांच कमेटी बनाई है। अध्यक्ष स्वास्थ्य विभाग की क्षेत्रीय संचालक रीवा डॉ. सत्या अवधिया हैं। कमेटी सात दिन में रिपोर्ट देगी। उधर, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने भी संज्ञान लिया है। सदस्य प्रियंक कानूनगो ने बताया कि संबंधितों को नोटिस जारी करने जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि ये बच्चे अब तक करीब 200 ब्लड डोनर के संपर्क में आ चुके हैं। 3 ब्लड बैंकों से अब तक 189 यूनिट ब्लड ट्रांसफ्यूजन हो चुका है। पड़ताल में पता चला है कि रक्तदाता से रक्त लेने और बच्चों को रक्त चढ़ाने में हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती गई। विशेषज्ञों के अनुसार सभी जांचें होतीं तो, यह नौबत नहीं आती। यह भी पता चला कि यहां चार नहीं, छह बच्चे एचआइवी से संक्रमित हुए हैं। एक बच्चे के माता-पिता की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

मेट्रो एंकर मेहनत, संघर्ष और परिवार के सपोर्ट की कहानी बनी सैकड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा

पिता ने कर्ज लिया, दुकान बेची...अब बेटा कार्तिक बना करोड़पति क्रिकेटर

भरतपुर, एजेंसी

राजस्थान के भरतपुर से निकलकर एक युवा खिलाड़ी ने वह मुकाम हासिल किया है, जिसका सपना लाखों युवा देखते हैं। भरतपुर निवासी 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा को आईपीएल मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा है। जैसे ही यह खबर सामने आई, पूरे शहर में खुशी की लहर दौड़ गई। अब कार्तिक महेंद्र सिंह धोनी की टीम का हिस्सा होंगे। कार्तिक शुरू से ही टी-20 फॉर्मेट के खिलाड़ी रहे हैं। उनका खेल आक्रामक रहा है और प्रैक्टिस के दौरान भी वे हर गेंद को बाउंड्री के पार भेजने की सोच के साथ खेलते हैं। बॉलिंग मशीन पर घंटों अभ्यास करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा रहा है।

कार्तिक की इस सफलता के पीछे उनके पिता मनोज शर्मा का बड़ा संघर्ष छिपा है। बेटे के सपने को जिंदा रखने के लिए उन्होंने अपनी दुकान बेच दी और कर्ज भी लिया। क्रिकेट की तैयारी के लिए उन्होंने बॉलिंग मशीन तक खरीद दी। परिवार चलाने के लिए कभी कोल्ड ड्रिंक और पानी की बोतलों की सप्लाई की तो कभी छोटी-मोटी मजदूरी भी की। आज इस त्याग और संघर्ष का सुखद परिणाम सामने आया है। मनोज शर्मा प्राइवेट ट्यूशन पढ़ाते हैं। वहीं कार्तिक भी अपनी क्रिकेट किट और अभ्यास का खर्च निकालने के लिए बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद कभी भी क्रिकेट से उसे दूर नहीं किया गया।

चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़ने को लेकर कार्तिक शर्मा ने कहा कि वह इस मौके से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, CSK जैसी टीम का हिस्सा बनना मेरे लिए सपने जैसा है।

गरीब परिवार से निकला बड़ा नाम

कार्तिक दारापुर इलाके में पेट्रोल पंप के पास रहते हैं। उनकी मां राधा शर्मा गृहिणी हैं। पिता को बेटे की प्रतिभा पर पूरा भरोसा था, इसी वजह से उन्होंने हर मुश्किल में उसका साथ दिया। दो छोटे भाई भी पढ़ाई और खेल में आगे बढ़ रहे हैं। प्रिंस कोटा में पढ़ रहा है, जबकि अनमोल क्रिकेट खेलता है और दोनों हाथों से गेंदबाजी करता है। डीसीए सचिव के अनुसार, कार्तिक के पिता ने उसके लिए 500 से ज्यादा गेंदें खरीदी थीं। रोजाना करीब 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डालकर उसे सिक्स लगाने की प्रैक्टिस करवाई जाती थी। पिता को भरोसा था कि एक दिन बेटा बड़ा खिलाड़ी बनेगा। साल 2014 में कार्तिक डीसीए से जुड़े। शानदार प्रदर्शन को देखते हुए संघ ने उसे लगातार सपोर्ट किया। कार्तिक अंडर-14 और अंडर-16 स्तर पर खेल चुके हैं।

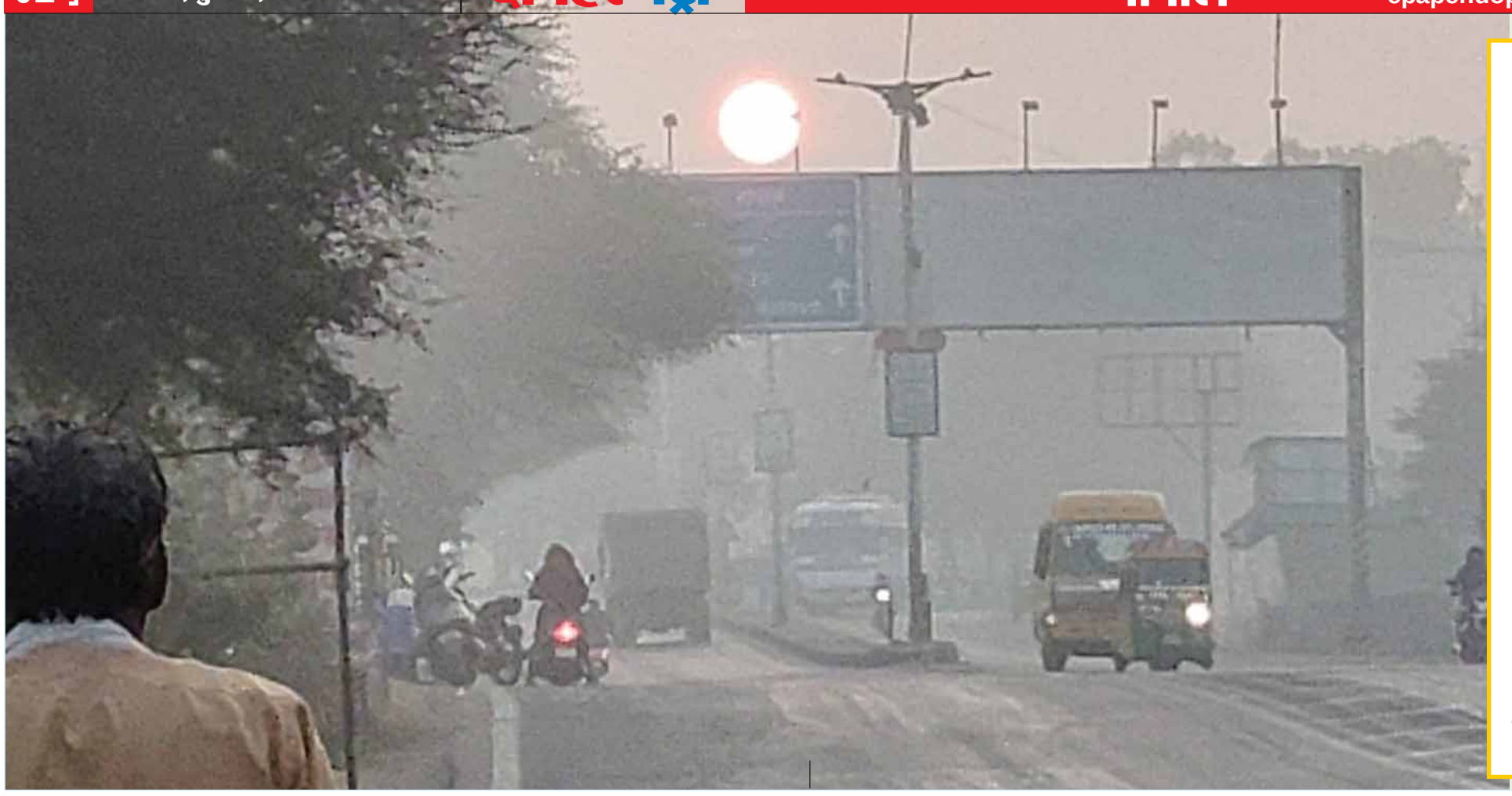

फिर शीतलहर और कोहरे का दौर...

भोपाल। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ राजधानी में फिर से कोल्ड वेव यानी, शीतलहर का दौर शुरू हो गया है। कोहरे की वजह से ट्रेनें-फ्लाइट भी डिले हो रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड लुढ़क गया। मौसम विभाग के अनुसार नए नया पश्चिमी विक्षोभ आज की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। जिसका असर एमपी में अगले दो-तीन दिन में दिखाई देने लगेगा। इसके पीछे ही एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस आ रहा है। इससे ठंड का असर और भी बढ़ेगा।

संतोष वर्मा विवाद के बाद लिया फैसला, पूर्व मंत्री और रिटायर जस्टिस होंगे संरक्षक

अब सजाक्स बनाने की हो रही तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स)' से मैदानी मुकाबले के लिए सामान्य वर्ग के कर्मचारी 'सनातनी,सामान्य,ओबीसी,अल्पसंख्यक अधिकारी-कर्मचारी एवं पेंशनर्स संघ (सजाक्स)' का गठन करने जा रहे हैं। आईएएस और अजाक्स के अध्यक्ष संतोष वर्मा द्वारा ब्राह्मण बेटियों को लेकर दिए गए विवादित बयान के बाद यह निर्णय लिया गया है।

सजाक्स के गठन के लिए मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक को अधिकृत किया गया है। इस संगठन की सक्रिय शाखाएं ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय तक होंगी। इनके संरक्षक केंद्र व राज्य के पूर्व मंत्री, हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस रहेंगे। संगठन एससी-एसटी की तरह सामान्य, ओबीसी वर्ग के मामलों में त्वरित और जमीनी प्रतिक्रिया देगा।

विचार गोष्ठी में हुआ मंथन

आईएएस संतोष वर्मा के मामले में सरकार के लचीले रवैये को देखते हुए पिछले दिनों सामान्य एवं सवर्ण समाज के लोग तुलसीनगर स्थित संकटमोचन हनुमान मंदिर में इकट्ठा हुए थे। यहां विचार गोष्ठी हुई, जिसमें वर्मा के विवादित बयान का जिक्र करते हुए कहा गया कि अब ऐसे संगठन की जरूरत है, जो सामान्य और सवर्ण समाज का वजूद स्थापित कर सके। अभी तो ऐसी दुर्दशा है कि देश और प्रदेश में लगातार 20 दिन से प्रदर्शन के बाद वर्मा के खिलाफ एफआईआर तक नहीं हुई। जबकि दूसरे मामलों में भोपाल बोलने पर नगालैंड में एफआईआर हो जाती है।

समयमान वेतनमान पर चर्चा

गोष्ठी में सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग के कर्मचारियों के लिए समयमान वेतनमान लागू नहीं किए जाने पर भी चर्चा हुई। कहा गया कि सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग की आबादी प्रदेश में 64% है और एससी-एसटी की 36% है, फिर भी 36% हावी है। हाईकोर्ट कई फैसलों में कह चुका है कि सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग की पदोन्नति पर कोई रोक नहीं है, लेकिन एससी-एसटी को पदोन्नति नहीं दी जा सकती, इसलिए कोई कारण न होते हुए भी एक दशक से सामान्य, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग को पदोन्नति नहीं दी जा रही है। कोर्ट की अवमानना के केस लगने पर भी इन वर्गों को पदोन्नति नहीं दी गई।एक दशक में एक लाख से ज्यादा कर्मचारी बिना पदोन्नति रिटायर हो गए, जिसमें अधिकांश सामान्य, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग के थे।

गलती होने पर भी साथ दें

गोष्ठी में कहा गया कि जैसे एससी-एसटी वर्ग में होता है, गलत होने पर भी पूरा वर्ग अपने का साथ देता है, वैसा ही हमें भी करना है। वर्मा के तमाम फर्जीवाड़े उजागर होने के बाद भी एससी-एसटी वर्ग उनके समर्थन में खड़ा है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल को मिली थी शिकायतें

कक्षा 11वीं और 12वीं में विषय सुधार की सुविधा 21 तक मिलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कक्षा 11वीं और 12वीं के छात्रों के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल ने विषय सुधार की विशेष सुविधा शुरू की है। मंडल को कई स्कूलों और छात्रों से शिकायतें मिली थीं कि कक्षा 9वीं और 11वीं के ऑनलाइन अंक दर्ज करते समय कुछ स्कूलों ने गलत विषय भर दिए थे। इसी वजह से छात्रों के कक्षा 10वीं और 12वीं के आवेदन पत्र में वे विषय दिख रहे हैं, जो उन्होंने वास्तव में नहीं पढ़े। मंडल ने साफ कहा है कि कक्षा 9वीं और 10वीं में विषय एक जैसे होने चाहिए। उसी तरह कक्षा 11वीं और 12वीं के विषय भी समान होने जरूरी हैं। इसे देखते हुए मंडल ने छात्रों की सुविधा के लिए विषय सुधार की अनुमति दी है। यह सुधार 21 दिसंबर 2025 तक किया जा सकेगा। जिसके लिए प्रति विषय पांच सौ रुपये शुल्क रखा गया है। मंडल का यह कदम हजारों छात्रों को राहत देगा। जिनके विषय गलत दिख रहे थे और परीक्षा आवेदन भरने में परेशानी हो रही थी। कोई संस्था गलत जानकारी देकर विषय बदलवाने की कोशिश करती है तो कार्रवाई तय है। सरकारी स्कूलों में प्राचार्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। निजी स्कूलों की संबद्धता तत्काल रद्द भी की जा सकती है। मंडल ने यह भी कहा है कि स्कूल इस वर्ष कक्षा 9वीं और 11वीं के विषयों की ऑनलाइन प्रविष्टि बहुत सावधानी से करें। अगले साल विषय सुधार की सुविधा नहीं मिलेगी। स्कूलों को सुधार करते समय दो दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा। पहला कक्षा 11वीं की अंकसूची और दूसरा एक घ्योषणा पत्र में यह स्पष्ट लिखना होगा कि छात्र ने कक्षा 11वीं में वही विषय पढ़े थे जिनका संशोधन किया जा रहा है और स्कूल ने उन्हीं विषयों की अंकसूची जारी की है।

आठ मेट्रो स्टेशनों के बीच शुरूआती समय में 12 घंटे तक संचालन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में मेट्रो के कामर्शियल रन की तैयारियां अब अपने अंतिम पड़ाव में है। शहर के आठ मेट्रो स्टेशनों के बीच शुरूआती समय में 12 घंटे तक संचालन किया जाएगा। बता दें कि मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक एस। कृष्ण चैतन्य ने शुरुआती समय से ही मेट्रो के काम में तेजी लाने के लिए लगातार स्टेशनों का पूर्व से ही दौरा किया। प्रत्येक स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्थाओं, स्टेशन की सौंद र्यात्मकता और संचाल नात्मक समन्वय की स्थिति का उनकी तरफ से विस्तार से मूल्यांकन किया गया। मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त नीलाभ्र सेनगुप्ता के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम नवंबर महीने से ही भोपाल में डिपो और ट्रैक का निरीक्षण शुरू कर दिया है। सीएमआरएस से मिली मंजूरी के बाद मेट्रो के लोकार्पण की तारीख सुनिश्चित की गई। सुभाष फाटक से एम्स तक हर आधे घंटे में मेट्रो ट्रेन की सुविधा लोगों को मिल सकती है। भोपाल में मेट्रो प्रबंधन की ओर से संचालन को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बताया जाता है कि कार्यक्रम के लिए पीएम मोदी को आमंत्रित किया गया है। लेकिन अभी उनके आने की पुष्टि पीएमओ कार्यालय से नहीं हुई है।

कम दृश्यता में उड़ान और लैंडिंग की हो रही तैयारी

कोहरे से निपटने राजाभोज एयरपोर्ट पर प्रेक्टिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजा भोज एयरपोर्ट पर कोहरे के प्रबंधन का व्यापक पूर्वाभ्यास किया गया। समन्वित योजना और हितधारकों के साथ घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से सर्दियों के संचालन के लिए तैयारी की जा रही है। पूर्वाभ्यास का उद्देश्य शीत ऋतु के दौरान संभावित कम दृश्यता की स्थिति से निपटने की तैयारियों को मजबूत करना रहा। इस अभ्यास का लक्ष्य कोहरे के कारण होने वाली देरी, रद्द होने या मार्ग परिवर्तन की स्थिति में उड़ान संचालन और यात्रियों की सुविधा का सुरक्षित, कुशल और समन्वित संचालन सुनिश्चित करना रहा। पूर्वाभ्यास में वायु यातायात नियंत्रण, संचार, नेविगेशन और निगरानी, हवाई अड्डा संचालन, इंजीनियरिंग, हवाई अड्डा बचाव और अग्निशमन सेवाएं, सीआईएसएफ, एयरलाइंस, ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियां, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, ईंधन भरने वाली एजेंसियां, टर्मिनल प्रबंधन टीमें और हवाई अड्डे के रियायतकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। तैयारी अभ्यास के दौरान कोहरे से संबंधित मौजूदा मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) की समीक्षा की गई और अंतर-एजेंसी समन्वय तंत्रों का परीक्षण किया। यात्री संचार और टर्मिनल की तैयारी से संबंधित कुछ छोटी कमियों की पहचान की गई और तत्काल सुधारात्मक उपायों के माध्यम से उन्हें दूर किया गया। जिसमें मजबूत समन्वय और अतिरिक्त यात्री प्रतीक्षा व्यवस्था की पहचान शामिल है। यात्री सुविधा बढ़ाने के तहत, सुरक्षा प्रतीक्षा क्षेत्र के भीतर बोर्डिंग गेट नंबर 5 के पास एक निर्दिष्ट क्षेत्र को लंबी देरी के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त खाद्य और पेय पदार्थों के स्टॉक के लिए आरक्षित किया. इसके अलावा, व्यवधान की अवधि के दौरान जमीनी परिवहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय टैक्सी ऑपरेटरों और कैब एग्रीगेटरों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है।

साहित्य केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज की चेतना है : त्रिपाठी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन भोपाल जिला इकाई के बैनर तले इंद्रपाल सिंह 'तन्हा' के ग़ज़ल संग्रह 'ठहरा हुआ वक़्त' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं संस्कृतिकर्मी रामप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि साहित्य केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज की चेतना है. त्रिपाठी ने कहा कि इंद्रपाल सिंह का ग़ज़ल संग्रह हमारे समय की स्थिति को दर्शाता दस्तावेज है. शायर बद्र वास्ती और अपर्णा पात्रीकर ने इसे 'दुष्यंत' की विरासत का विस्तार बताया। उन्होंने कहा कि इन्द्रपाल ने वर्तमान व्यवस्था के हर पहलू पर बेबाक ढंग से शेर कहे हैं। कार्यक्रम की रूपरेखा इकाई अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता ने प्रस्तुत की। अतिथियों का आभार इकाई के सचिव महेश दुबे 'मनुज' ने माना। शायर तन्हा ने 'ठहरा हुआ वक़्त' से प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ भी किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेन्द्र शैली ने किया ।

मेट्रो एंकर नंदलाल घोष, पाब्लो पिकासो और राजा रवि वर्मा की स्मृति लगाई पेंटिंग प्रदर्शनी

नंदलाल घोष ने स्वदेशी कला को नई पहचान दी : गुप्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जीपी बिड़ला संग्रहालय में भारतीय और विश्व कला जगत के कलाकार नंदलाल घोष पाब्लो पिकासो और राजा रवि वर्मा की स्मृति को समर्पित पेंटिंग प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का खास आकर्षण माचिस मैन सुनील भट्ट द्वारा तैयार की गई करीब सौ साल पुरानी राजा रवि वर्मा और पिकासो की कला से जुड़ी माचिस संग्रह है। जो हर दर्शक का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रही है। इसके साथ ही इस बार प्रदर्शनी में 16 वर्ष से लेकर 76 वर्ष तक के कलाकारों की सहभागिता देखने को मिल रही है। जिससे ये पता चलता है कि कला की कोई उम्र नहीं होती। इस अवसर पर सत्र न्यायाधीश उमेश गुप्ता ने कहा कि राजा रवि वर्मा ने भारतीय देवी-देवताओं को यथार्थ रूप में चित्रों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया है।

वहीं नंदलाल घोष ने स्वदेशी कला को नई पहचान दी और राष्ट्रवाद को कला से जोड़ा। उन्होंने संविधान की मूल प्रति को सजाकर भारतीय कला को ऐतिहासिक सम्मान दिलाया। प्रदर्शनी में प्रवेश करते ही अलग-अलग शैलियों और रंगों की दुनिया दर्शकों को अपनी ओर खींचती नजर आई। कार्यक्रम में प्रदर्शनी में शहर के वरिष्ठ और युवा कलाकारों की रचनाएं एक साथ देखने को मिल रही है। यहां लगी मधुबनी, एक्रेलिक, तेलचित्र, वाटर कलर और गोंड आर्ट में बनी कृतियों ने दर्शकों को प्रभावित कर रही हैं। प्रदर्शनी का उद्देश्य कला को समाज से जोड़ना और नए कलाकारों को मंच देना है। दर्शक इस प्रदर्शनी को 2 जनवरी तक सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक संग्रहालय में देख सकते हैं। साथ ही इन कलाकारों से मिलकर इनकी कलाओं को बेहतर अनुभव के साथ समझ सकते हैं। प्रदर्शनी में शुभ्रा श्रीवास्तव, जया गुप्ता, निखत खान, अनीता सिंह, हिना खान, बीआर चौधरी, सौम्या अग्रवाल, अरुणा गुप्ता, रिचा सिंह, आशीष गुजराती और अनु प्रकाश सहित कई कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई।

लाल परेड मैदान में अंतरराष्ट्रीय वन मेले की आज से शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आज शाम से 11वें अंतरराष्ट्रीय वन मेले की शुरुआत होगी। इसमें लोग दाल-पानिया, गोंडी जैसी कई डिशेज का लुत्फ भी उठा सकेंगे। 24 राज्य के जड़ी-बुटियों समेत अन्य करीब 350 स्टॉल लगेंगे। किड्स जोन भी यहां रहेगा। वन मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। इस बार मेला समृद्ध वन खुशहाल वन की थीम पर हो रहा है, जो 23 दिसंबर तक चलेगा। मेले में 350 स्टॉल लगाए जा रहे हैं। मेले में प्रदेश के जिला यूनियन, वन, वन धन केंद्र, जड़ी-बूटी संग्राहक, उत्पादक, आयुर्वेदिक औषधि निर्माता, परंपरागत भोजन सामग्री के निर्माता एवं विक्रेता गण अपने उत्पादों का प्रदर्शन और विक्रय करेंगे। मेले में 10 शासकीय स्टॉल, 24 अन्य राज्यों के स्टॉल, 16 प्रदर्शनी के स्टॉल, 136 प्राइवेट स्टॉल, 26 फूड स्टॉल, जिनमें अलीराजपुर का दाल पनिया, बांधवगढ़ की गोंडी व्यंजन का स्वाद मिलेगा। इसके अलावा 50 ओपीडी स्टॉल और एक किड्स जोन भी होगा। मेले में रोजाना आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा. इसके साथ ही 19 और 20 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला होगी जिसमें देश और पड़ोसी देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे. 21 दिसंबर को क्रेता विक्रेता सम्मेलन आयोजित होगा।

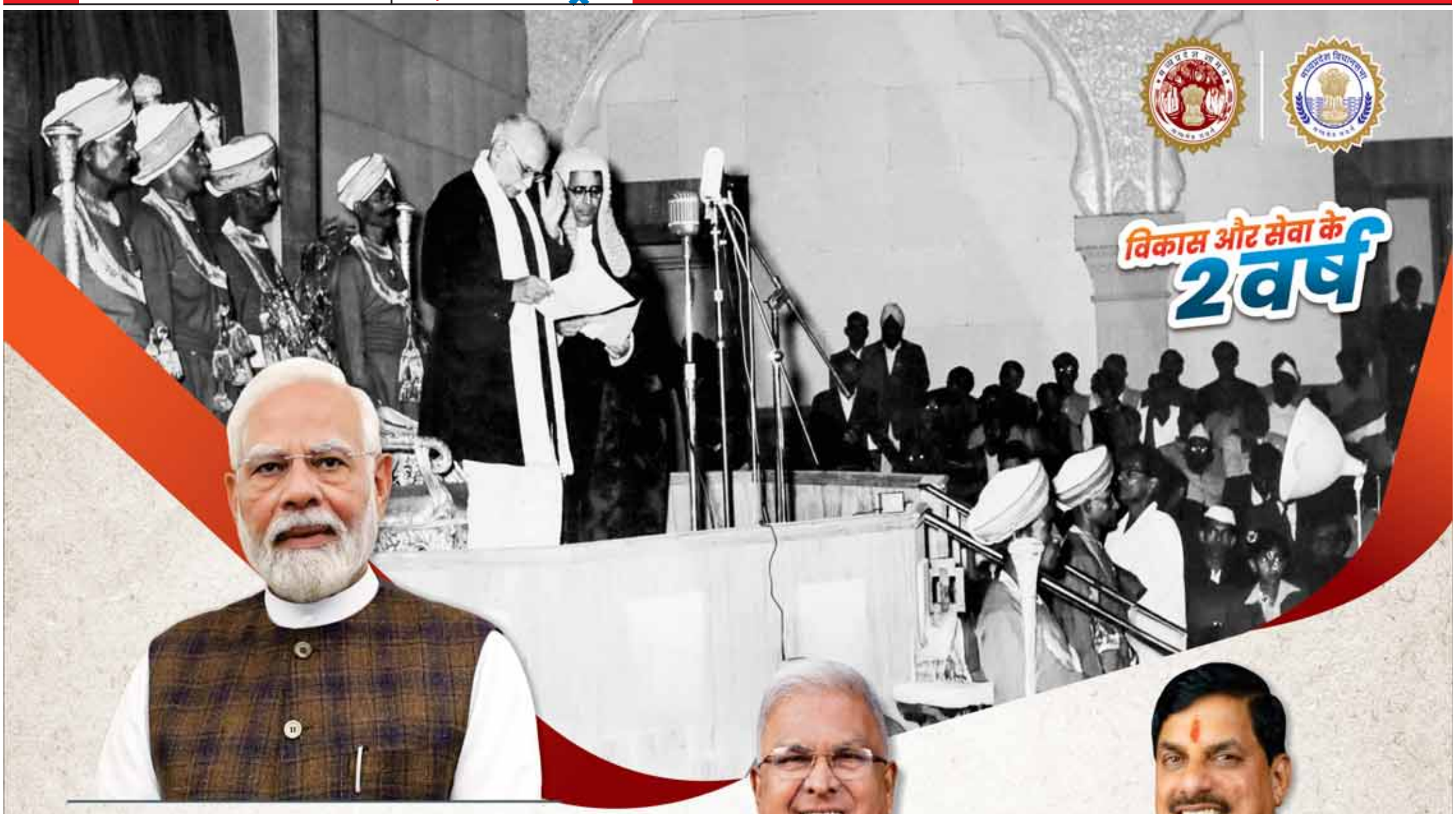

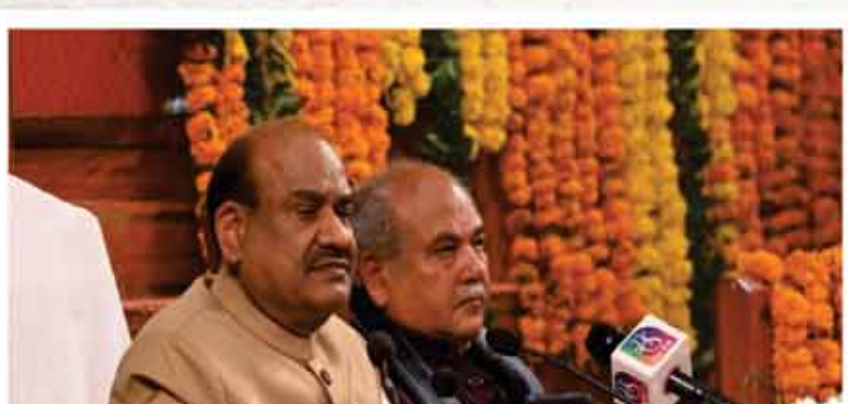

विकास और सेवा के 2 वर्ष
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
लोकतंत्र बन रहा हर दिन सशक्त और जीवंत
मंगुभाई पटेल, राज्यपाल
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश विधानसभा के
70 वर्ष की
गौरवशाली यात्रा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में
एक दिवसीय विशेष सत्र
तय होगी विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा
17 दिसम्बर, 2025
नागरिकों के लिए
विशेष प्रदर्शनी
18 से 25 दिसम्बर, 2025 । विधानसभा भवन, भोपाल
विधानसभा के 70 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा को दर्शाती दुर्लभ तस्वीरें
प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी पर आधारित
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
नागरिकों की सहभागिता-लोकतंत्र की शक्ति
D-11164/25

सांसों को राहत कहां

इंदिल्ली-एनसीआर एक बार फिर हवा नहीं, खतरा सांसों में भर रहा है। सर्दी की शुरुआत के साथ ही राजधानी और उससे सटे इलाकों में वायु गुणवत्ता उस स्तर तक गिर चुकी है, जिसे किसी भी रूप में सामान्य नहीं कहा जा सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सुरक्षित सीमा से कई गुना ऊपर पहुंचा एक्यूआई यह बताने के लिए काफी है कि यह केवल मौसमी समस्या नहीं, बल्कि गहराता पर्यावरणीय संकट है। दिसंबर में दर्ज किया गया यह प्रदूषण स्तर पिछले कई वर्षों के सबसे खराब आंकड़ों में शुमार हो चुका है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली ही नहीं, बल्कि नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा भी एक ही जहरीली चादर के नीचे दम तोड़ते नजर आ रहे हैं। सुबह के वक्त स्मॉग इतनी घनी होती है कि दृश्यता लगभग समाप्त हो जाती है। सड़कों पर दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है और घर से निकलने वाला हर व्यक्तिअनजाने में जहर को फेफड़ों में उतार लेता है। सबसे अधिक मार बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों पर पड़ रही है, लेकिन स्वस्थ समझे जाने वाले लोग भी इससे सुरक्षित नहीं हैं। सरकारी आंकड़े इस संकट की भयावहता को और उजागर करते हैं। बीते कुछ वर्षों में राजधानी के सरकारी अस्पतालों में सांस की गंभीर बीमारियों के मामलों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। यह महज संयोग नहीं, बल्कि बढ़ते प्रदूषण का सीधा नतीजा है। इसके बावजूद हर साल वही बहाने, वही तात्कालिक कदम और वही असहायता दोहराई जाती है। हालात को संभालने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान के सबसे कठोर चरण को लागू किया है। यह कदम बताता है कि स्थिति कितनी बिगड़ चुकी है। आमतौर पर वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली जलाना और मौसम की मार को प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। इस बार मौसम की भूमिका अधिक प्रभावी रही, क्योंकि हवा की गति थमने और नमी बढ़ने से प्रदूषक शहर के ऊपर ही अटके रह गए। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर साल मौसम को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा जा सकता है? दीर्घकालिक समाधान के लिए सार्वजनिक परिवहन को विश्वसनीय बनाना, निजी वाहनों पर निर्भरता घटाना, स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देना, उद्योगों पर सख्त नियंत्रण और पड़ोसी राज्यों के साथ ठोस समन्वय अनिवार्य है। साथ ही, नागरिकों की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक नीतियां, प्रशासन और समाज एक साथ जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, तब तक हर सर्दी के साथ दिल्ली की हवा यूं ही सांसों की दुश्मन बनी रहेगी।

यौन कर्मियों के खिलाफ़ हिंसा समाप्त करने का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

सामजिक कलंक की डबल स्ट्राइक हिंसा भी सहन करें और इल्जाम भी

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

भारत में यौनकर्मियों के साथ हिंसा की स्थिति एक गंभीर मानवाधिकार और सामाजिक-कानूनी मुद्दा है, जो मुख्य रूप से उनके काम से जुड़े सामाजिक कलंक, कानूनी अस्पष्टता और पुलिस उत्पीड़न के कारण और भी जटिल हो जाता है। यौनकर्मी अक्सर कई प्रकार से हिंसा का अनुभव करते हैं, जिनमें ग्राहक, अंतरंग साथी और पुलिस अधिकारी शामिल हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि 98% यौनकर्मियों ने अपने अंतरंग साथियों द्वारा गंभीर हिंसा की सूचना दी, जबकि 76% ने ग्राहकों द्वारा हिंसा का अनुभव किया। यौनकर्मियों को गंभीर सामाजिक कलंक और भेदभाव का सामना करना पड़ता है। समाज द्वारा उन्हें अनैतिक माने जाने के कारण, हिंसा होने पर अक्सर उन्हें ही दोषी ठहराया जाता है और समझा जाता है कि वे इस हिंसा की हकदार हैं। यह कलंक उन्हें स्वास्थ्य सेवा, आवास और कानूनी सुरक्षा जैसे बुनियादी अधिकारों तक पहुँचने से रोकता है। हिंसा के अधिकांश मामले पुलिस में रिपोर्ट नहीं किए जाते, क्योंकि यौनकर्मियों को पुलिस पर भरोसा नहीं होता और उन्हें गिरफ्तारी या और अधिक उत्पीड़न का डर रहता है। स्वास्थ्य सुविधाओं में भी उनके साथ भेदभाव और दुर्व्यवहार किया जाता है। उन्हें उचित चिकित्सा देखभाल से वंचित किया जा सकता है, या गोपनीय जानकारी उजागर की जा सकती है, जिससे वे स्वास्थ्य सेवाओं की तलाश करने से हतोत्साहित होती हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कई फैसलों में यह माना है कि यौनकर्मियों को भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा और आजीविका के साथ जीने का अधिकार है। 2022 में, सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों को यौनकर्मियों के मानवाधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाने का आदेश दिया और कहा कि सहमति से यौन कार्य करने वाले वयस्कों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

भारत सहित पूरी दुनिया में यौन वर्कर्स को हिंसा का सामना करना पड़ता है, अभी भी किसी के प्रति हिंसा होना मानवता पर कलंक है। यही कारण है कि प्रत्येक 17 दिसंबर को, दुनिया भर के यौनकर्मियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाती है। यह दिन यौनकर्मियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए आवश्यक कार्रवाई पर प्रकाश डालने के लिए मनाया जाता है। विभिन्न कानूनों, सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के कारण यौनकर्मियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याएं अक्सर प्रत्येक क्षेत्र के अनुसार भिन्न होती हैं, लेकिन सभी यौनकर्मियों द्वारा सामना की जाने वाली एक सामान्य समस्या हिंसा के प्रति उनकी असुरक्षा और हिंसा का अनुभव बिल्कुल एक समान है। ये समस्या वैश्विक स्तर पर है। कोविड-19 ने इस समस्या को और भी गंभीर बना दिया था और दुनिया भर की यौनकर्मियों ने महामारी के दौरान जीविका चलाने के संघर्ष के दौरान हिंसा की खबरों में जमकर बढोत्तरी देखी गई है, यौनकर्मियों को हिंसा का खतरा रहता है क्योंकि यौन कार्य को अपराध की श्रेणी में रखा गया है, एचआईवी से पीड़ित यौनकर्मियों, नशीली दवाओं का सेवन करने वाली यौनकर्मियों, ट्रांसजेंडर यौनकर्मियों, प्रवासी यौनकर्मियों और अन्य हाशिए पर रहने वाले यौनकर्मियों के लिए हिंसा का खतरा और भी बढ़ जाता है।

यौनकर्मियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर, एनएसडब्ल्यूपी ने सेक्स वर्कर्स स्पीक आउट वीडियो वॉल परियोजना शुरू की थी जिसमें 17 वीडियो से शुरू होकर, इस परियोजना में अंततः 100 वीडियो थे जिनमें यौनकर्मी, यौन कार्य, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य एवं अधिकार (एसआरएचआर) और शारीरिक स्वायत्तता के बारे में खुलकर बोलते नज़र आए थे। आज दुनिया भर में, यौनकर्मी 17 दिसंबर को ऑनलाइन कार्यक्रमों, व्यक्तिगत स्मारक सभाओं और सामूहिक कार्रवाइयों के माध्यम से इस मुद्दे को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की मांग कर रहे हैं। यौनकर्मियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर, हम सभी यौनकर्मियों से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह करते हैं, कि आपको बुनियादी अधिकारों को समझना चाहिए। विशेष रूप से कानून लागू करने वाली संस्थाओं को यौनकर्मियों की मदद की गुहार पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। पुलिस को ऐसे व्यवहार नहीं करने चाहिए जिससे यौनकर्मी पुलिस को बुलाने से हिचकें, अन्यथा यौनकर्मी हमेशा अपराधियों का निशाना बनती रहेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यौनकर्मियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए और पुलिस को सहमति से किए जाने वाले यौन कार्य में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। यौन कार्य को अपराध घोषित करना उन्हें हाशिए पर धकेलना और देश में उनके नागरिक अधिकारों से वंचित करना है। लंबे समय से, और आज भी, उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, सुरक्षा और समाज में सम्मानजनक जीवन जीने की स्वतंत्रता से वंचित रखा गया है । यौन वर्कर्स पर हो रही हिंसा मानवता पर कलंक है, एक इंसान का फ़र्ज है सभी जीवो के प्रति दया भाव रखना।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

मानवता पर कलंक, आतंक के साए में सिडनी से पहलगाम तक एक ही पीड़ा

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

सिडनी में हुआ आतंकी हमला न केवल निंदनीय है, बल्कि यह उस वैश्विक सच्चाई की ओर भी इशारा करता है जिसमें आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। यह घटना किसी एक देश, धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी जड़ें उस विकृत सोच में हैं जो निर्दोष लोगों के खून से अपनी पहचान बनाना चाहती है। पहलगाम में घूमने आए निहत्थे पर्यटकों पर हमला हो या फिर सिडनी में यहूदी समुदाय के पवित्र हुंनक्का त्योहार के दौरान सामूहिक गोलीबारी।दोनों घटनाएं बताती हैं कि आतंक का कोई चेहरा नहीं होता, उसका कोई मजहब नहीं होता और उसकी कोई सीमा नहीं होती। सिडनी की घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। त्योहार का माहौल, श्रद्धा और उल्लास से भरा जमावड़ा, सैकड़ों लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं दे रहे थे।और तभी गोलियों की तड़तड़ाहट ने खुशियों को मातम में बदल दिया। इस सामूहिक गोलीबारी में 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक और व्यक्ति ने बाद में दम तोड़ दिया। बारह निर्दोष जानें और बारह परिवारों की दुनिया उजड़ गई। यह आंकड़ा महज संख्या नहीं है, बल्कि उन सपनों, उम्मीदों और रिश्तों का अंत है जो अचानक छिन गए। गोलीबारी की सूचना मिलते ही ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की तेजी और पेशेवर रवैये ने यह सुनिश्चित किया कि स्थिति और अधिक भयावह न हो। इसी बीच एक आम नागरिक की असाधारण हिम्मत सामने आई, जिसने हमलावर से भिड़कर उसकी बंदूक छीन ली। यह साहसिक कदम बताता है कि आतंक के सामने भी इंसानी जज्बा हार नहीं मानता। उस नागरिक की हिम्मत की दाद देनी होगी, क्योंकि ऐसे क्षणों में एक व्यक्ति का साहस कई जिंदगियां बचा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमले के पीछे के मकसद की जांच जारी है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किस उद्देश्य से किया गया था, लेकिन जिस तरह यहूदी समुदाय को त्योहार के दौरान निशाना बनाया गया, उससे आशंका गहराती है कि यह नफरत से प्रेरित हिंसा हो सकती है। घटना के बाद पुलिस को बांडी क्षेत्र के कैपलेप परेड में एक संदिग्ध गाड़ी मिली, जिसमें हथियार होने के साथ-साथ विस्फोटक होने की भी आशंका जताई जा रही है। यह तथ्य दर्शाता है कि हमले की साजिश कितनी व्यापक और खतरनाक हो सकती थी। इस पूरी घटना में एक और चौंकाने वाला पहलू यह रहा कि गोलीबारी में बाप-बेटे की संलिप्तता सामने आई। एक ही परिवार के दो लोगों द्वारा इस तरह की हिंसा को अंजाम देना समाज के लिए गंभीर चेतावनी है। यह दिखाता है कि कट्टरता और नफरत की सोच किस तरह पीढ़ी दर पीढ़ी पनप सकती है, अगर समय रहते उसे रोका न जाए। पुलिस ने यहूदी समाज को निशाना बनाने वाले आरोपियों को दबोच लिया है, लेकिन सवाल यह है कि ऐसी सोच पनपती कहां से है और इसे खत्म कैसे किया जाए।

आतंकवाद आज एक नासूर बन चुका है, जो लगातार मानवता के शरीर को खोखला कर रहा है। यह केवल गोलियों और विस्फोटों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह डर, अविश्वास और नफरत का ऐसा माहौल बनाता है, जिसमें समाज की बुनियादें हिलने लगती हैं। पहलगाम की घटना में भी निहत्थे पर्यटकों को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे आसान लक्ष्य थे। वहां भी मकसद डर फैलाना था, संदेश देना था कि कोई भी सुरक्षित नहीं है। सिडनी और पहलगाम–दोनों घटनाएं अलग-अलग महाद्वीपों पर हुईं, लेकिन उनकी पीड़ा एक जैसी है।

विश्व समुदाय के लिए यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवाद से निपटने के लिए आधे-अधूरे प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। यह समस्या किसी एक देश की नहीं है, इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक होना चाहिए। खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान, सीमा पार सहयोग, कट्टरपंथी विचारधाराओं के खिलाफ साझा रणनीति और आतंक को वित्तीय सहायता देने वाले नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई,ये सभी कदम अनिवार्य हैं। साथ ही, समाज के स्तर पर भी संवाद, शिक्षा और आपसी समझ को बढ़ावा देना होगा, ताकि नफरत की जमीन ही खत्म हो जाए। यह भी जरूरी है कि हम आतंकवाद को किसी धर्म या समुदाय से जोड़कर न देखें। ऐसा करना आतंकियों के मंसूबों को ही बल देता है। सिडनी में यहूदी समाज को निशाना बनाया गया, तो कल किसी और समुदाय को बनाया जा सकता है। आतंकवाद का लक्ष्य इंसानियत है, और उसकी सबसे बड़ी ताकत हमारी आपसी दरारें हैं। जब हम एक-दूसरे के दुख को अपना दुख समझते हैं, तब आतंक कमजोर पड़ता है। इस दुखद और पीड़ादायक घटना ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि सुरक्षा केवल हथियारों और कानून से नहीं आती, बल्कि सामाजिक एकजुटता से भी आती है। जिस नागरिक ने हमलावर से भिड़कर बंदूक छीनी, उसने यह साबित किया कि साहस और मानवता अभी जिंदा है। ऐसे उदाहरण हमें उम्मीद देते हैं कि अंधेरे के बीच भी रोशनी की किरण मौजूद है।

सिडनी की घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए और उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए यह संकल्प लेना होगा कि हम आतंक के सामने झुकेंगे नहीं। दुनिया ने बहुत खून देख लिया है, अब वक्त है कि इंसानियत को बचाने के लिए एकजुट होकर खड़ा हुआ जाए। आतंकवाद चाहे जहां भी सिर उठाए, उसका जवाब मजबूती, समझदारी और मानवीय मूल्यों से दिया जाए।यही इस त्रासदी से निकलने का एकमात्र रास्ता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

'सफल और असफल लोग अपनी क्षमताओं में बहुत भिन्न नहीं होते हैं। वे अपनी क्षमता तक पहुँचने के लिए अपनी इच्छाओं में भिन्न होते हैं।'
- जॉन मैक्सवेल

हेल्थ अलर्ट

बढ़ रहे हैं ओरल कैंसर के मामले, कुछ लक्षणों को पहचानना जरूरी

दुनियाभर की आबादी कैंसर नाम की बीमारी से डरती है। क्योंकि इसकी वजह से सबसे ज्यादा जिंदगियां खत्म हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का आंकड़ा जानकर आप चौंक जाएंगे, 2020 में कैंसर की वजह से 1 करोड़ लोगों का निधन हुआ। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इस दर्दनाक और जानलेवा बीमारी के पीछे तंबाकू का इस्तेमाल, बॉडी मास इंडेक्स की अधिकता, शराब का सेवन, फिजिकल एक्टिविटी में कमी और फल-सब्जियों का कम सेवन देखा जाता है। कुछ हद तक वायु प्रदूषण भी खतरे को बढ़ाता है।

कैंसर की सेल्स शरीर के किसी भी हिस्से में शुरू हो सकती है। लेकिन कुछ प्रकार ज्यादा आम होते हैं। 2020 के आंकड़ों के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 6 सबसे ज्यादा नए मामले बढ़ाने वाले 6 प्रकार के कैंसर के नाम बताए हैं। इनमे छह प्रकार के कैंसर आम हैं। ये ब्रेस्ट, लंग, कोलन और रेक्टम ,प्रोस्टेट, स्किन और पेट से सम्बंधित हैं।

ओरल कैंसर भी खतरनाक: बेशक ओरल कैंसर के मामले इन 6 कैंसर से कम दिखे हों, लेकिन यह भी बहुत खतरनाक है। क्योंकि इसकी एक प्रमुख वजह को कैंसर के सबसे बड़े कारकों में गिना जाता है, जो कि तंबाकू का इस्तेमाल है। ओरल कैंसर एक समूह है, जिसमें मुंह के अंदर होने वाले कैंसर के अलग-अलग प्रकार शामिल हैं।भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MOHFW) ने ओरल कैंसर के 4 संकेत और लक्षणों के बारे में बताया है। मंत्रालय का कहना है कि आपको इन लक्षणों के प्रति चौकस रहना चाहिए और इनके दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। यह लक्षण बेहद आम लग सकते हैं, इसलिए लोग इनपर ज्यादा ध्यान नहीं देते। मगर यह साइलेंट तरीके से खतरनाक रूप ले जाते हैं। ओरल कैंसर की वजह से आपको खाना निगलने में दर्द हो सकता है। यह एक लक्षण हैं, दूसरा लक्षण सूजन है। MOHFW के मुताबिक अगर आपके मुंह के अंदर किसी भी तरह की सूजन 3 हफ्तों से ज्यादा वक्त से है तो डॉक्टर दिखाने में आपको देर नहीं करनी चाहिए। हर किसी का मनपसंद स्वाद अलग होता है। लेकिन अगर आपके सामान्य स्वाद में बदलाव देखने को मिल रहा हो, जो सामान्य ना हो तो हल्के में नहीं लेना चाहिए। इसके अलावा अचानक और बेवजह वजन घटना भी ओरल कैंसर का लक्षण हो सकता है।

निशाना

अधरों पर तल्ख़ तराने हैं..!

बाबूलाल कदम

समरसता के हाल बुरे क्यों है,
अहिंसा के हाथ में छुरे क्यों है।
यशोगान तो महफ़िल लूट रहे,
वंदना के राग बेसुरे क्यों है।।
कल कुछ और थे कुछ
आज बन बैठे
कौए भी सुर के सरताज
बन बैठे।
बगुलों को हंसों का
मान दिया था,
वो बगुले ही आज
बाज़ बन बैठे।।
आपस में सधे निशाने हैं,
तीर हैं तंज़ हैं ताने हैं।
क़ौमी-गीत कंठ में अटके,
अधरों पर तल्ख़ तराने हैं।।

स्टूडेंट सेफ्टी !

स्कूलों में लगे AI डिवाइस, जो वॉशरूम में कान लगाकर सुनते हैं बच्चों की बातें

अमेरिका में कई स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा के लिए नई तकनीक का इस्तेमाल हो रहा है। इसमें एआई यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाली निगरानी व्यवस्था शामिल है। चेहरा पहचानने वाले कैमरे, बंदूक पता करने वाली मशीनें, ड्रोन और यहां तक कि बाथरूम में सुनने वाले डिवाइस लगाए जा रहे हैं। ये सब स्कूलों को गोलीबारी जैसी घटनाओं से बचाने के लिए लगाए जा रहे हैं। लेकिन कई लोग कहते हैं कि इनसे बच्चों की निजता खत्म हो रही है और ये कितने फायदेमंद हैं, इस पर सवाल उठ रहे हैं। इस साल अमेरिका में स्कूलों में गोली चलने की कई घटनाएं हुई हैं, जिससे स्कूल वाले ज्यादा सतर्क हो गए हैं।

फोर्ब्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स हाई स्कूल में ऐसी ही निगरानी का सिस्टम बहुत एडवांस है। यहां कैमरे लोगों के चेहरे को डेटाबेस से मिलाते हैं। वीडियो देखकर हिंसा के संकेत पता करता है। बाथरूम में धुएं का पता लगाने वाले डिवाइस लगे हैं जो आवाज भी सुनते हैं, जैसे कोई मदद मांगे तो अलर्ट हो जाता है। बाहर ड्रोन तैयार रहते हैं और पार्किंग में गाड़ियों की नंबर प्लेट स्कैन होती है। स्कूल के सुपरिंटेंडेंट एलेक्स चर्निस कहते हैं कि शहर बड़ा होने से खतरे ज्यादा हैं, इसलिए ये जरूरी है। इस साल स्कूल ने सुरक्षा पर करोड़ों रुपये खर्च किए और कहा जाता है कि रोज कई खतरे पता चलते हैं।

डिवाइस कई बार करती हैं गलतियां: लेकिन ये तकनीक हमेशा सही नहीं होती। कई बार उपयोगी चीजों को खतरा समझ लेती है। जैसे लैपटॉप या पानी की बोतल को बंदूक समझना। एक कंपनी एवॉल्व पर जुर्माना लगा क्योंकि उसने गलत दावे किए। दूसरी कंपनी जीरोआइज के सिस्टम से भी गलत अलर्ट आए, जिससे स्कूल बंद हो गए और बच्चे डर गए। एक बार चिप्स का पैकेट निकालते बच्चे को समझ लिया कि वह बंदूक निकाल रहा है, वहां पुलिस बुलाया ली गई।

सबसे बड़ा सवाल प्राइवेसी का है। अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन की रिपोर्ट कहती है कि ऐसी निगरानी से बच्चों में भरोसा कम होता है। कई बच्चे महसूस करते हैं कि हमेशा कोई देख रहा है। इससे वे अपनी मानसिक समस्या या घर की परेशानी शिक्षकों से नहीं बताते। शिक्षक भी कहते हैं कि लाइब्रेरी जैसे जगहों पर कैमरे नहीं होने चाहिए। फिर भी कुछ फायदे हैं। जैसे बच्चा गुम हो तो कैमरे से पता चल जाता है। बाथरूम के डिवाइस धुआं और वेपिंग भी पता करते हैं। कई स्कूल कहते हैं कि इससे माहौल बेहतर हुआ है। एक छात्रा ने कहा कि पहले बम की धमकी मिलती थी, अब सुरक्षित महसूस होता है। लेकिन सभी स्कूल ये नहीं खरीद रहे। कुछ कहते हैं कि पैसा बेहतर जगह लगाओ।

अजब - गजब

समुद्र के पानी से चीन बना रहा भविष्य का पेट्रोल और पीने का साफ़ पानी

चीन ने समुद्र के पानी से भविष्य का ईंधन बना कर वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों दोनों को चौंका दिया है। दरअसल चीन ने शानडोंग प्रांत में एक ऐसी फैक्ट्री शुरू की है, जो समुद्र के पानी से भविष्य का पेट्रोल यानी कि 'ग्रीन हाइड्रोजन' तैयार करती है। बस इतनी ही नहीं यह फैक्ट्री समुद्र के पानी को ग्रीन ईंधन के साथ-साथ साफ पीने के पानी में भी बदल रही है। चीन का यह अजूबा दुनिया की दो बड़ी समस्याओं, पीने के पानी की कमी और पेट्रोल-डीजल जैसे ईंधनों का पर्यावरण पर बढ़ते बोझ को एक साथ हल कर देता है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इसकी लागत सिर्फ 2 युआन यानी करीब 24 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर है। चलिए चीन की इस खास टेक्नोलॉजी के बारे में डिटेल में जानते हैं।

दुनिया में अपनी तरह की पहली यह फैक्ट्री चीन के रिजाओ शहर में बनी है। इस फैक्ट्री में समुद्र के पानी को पीने लायक अल्ट्रा-प्योर पानी और ग्रीन हाइड्रोजन में बदला जाता है। इस फैक्ट्री की एक खास बात और है कि यह चलने के लिए बिजली या ईंधन पर नहीं बल्कि पास की स्टील और पेट्रोकेमिकल फैक्ट्रियों से निकलने वाली बेकार गर्मी (वेस्ट हीट) का इस्तेमाल करती है। कहने का मतलब है कि स्टील और पेट्रोकेमिकल फैक्ट्रियों से निकलने वाली जो गर्मी एक समय तक खराब चली जाती थी, वह अब पानी और ईंधन बनाने के काम में ली जा रही है। यही वजह है कि इसकी लागत बहुत कम है और यह टेक्नोलॉजी सऊदी अरब और अमेरिका जैसे देशों की टेक्नोलॉजी से भी आगे निकल गई है।

चीन की इस टेक्नोलॉजी को 'वन इनपुट, थ्री आउटपुट' कहा जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, (REF.) इसमें इनपुट के तौर पर समुद्र का खारा पानी और इंडस्ट्रियल वेस्ट हीट का इस्तेमाल होता है जबकि बदले में तीन चीजें मिलती हैं। पहली, हर साल 800 टन समुद्री पानी से 450 क्यूबिक मीटर साफ पानी मिलता है। इसका इस्तेमाल पीने के लिए और इंडस्ट्री दोनों जगह पर होता है। दूसरा, इससे सालाना 1,92,000 क्यूबिक मीटर ग्रीन हाइड्रोजन बनती है। तीसरा, इस प्रक्रिया में हर साल लगभग 350 टन खारा घोल यानी कि ब्राइन बचता है। इसका इस्तेमाल समुद्री केमिकल्स बनाने में किया जाता है। ऐसे में इस फैक्ट्री से निकलने वाला हर एक प्रोडक्ट इस्तेमाल होता है और कुछ भी बेकार नहीं जाता।

किस लागत पर बन रही है : चीन के इस खास प्लांट को पूरी दुनिया के लिए एक उम्मीद के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह प्लांट कई बड़ी समस्याओं को तो हल करता ही है लेकिन साथ ही लागत के मामले में भी इसने रिकॉर्ड बनाया है। इस प्लांट के जरिए समुद्र के पानी से साफ पानी बनाने में सिर्फ 24 रुपये प्रति क्यूबिक मीटर का खर्च आ रहा है।

बुलडोजर एक्शन : अब नहीं चलेगी नेतागिरी, अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई

अजय आहूजा। मंडीदीप

भोपाल से लगे औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप के मुख्य बाजार और स्टेशन रोड क्षेत्र में लंबे समय से चले आ रहे अतिक्रमण को लेकर क्षेत्रवासियों मे काफी आक्रोश है। इसको लेकर अतिक्रमण की जानकारी मंडीदीप पत्रकारों द्वारा शिकायत करते हुए रायसेन जिला कलेक्टर को अवगत कराया गया। इसके बाद जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के आदेशानुसार अधिकारियों को आखिरकार सख्त रुख अपनाना पड़ा।

मंडीदीप पुलिस और नगर पालिका सीएमओ प्रशांत जैन के संयुक्त नेतृत्व में पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया। वहीं इस कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण में चिंता और हलचल जरूर देखने को मिली। लेकिन प्रशासन का कहना है कि इस कदम से क्षेत्र में बार-बार होने वाले यातायात अवरोध से राहत मिलेगी।

प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि नगर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे और आगे भी ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस कार्रवाई में किसी भी रसूद नेता की रसूदी नहीं चलेगी नगर मे चर्चा का विषय है की देखना होगा। नगर मे छुट भैया नेताओं की दखल अंदाजी होने के बाद नपा की ये मुहिम कितना कारगर साबित होंगी। हम इस लिये ये बात बोल रहे क्योंकि नगर मे रसूदखोरी सर चढ़ कर अधिकारीयों के लिए आफत बन चुकी है जिसका खामियाजा पूरा नगर आज हर तरफ अतिक्रमण को लेकर जूझ रहा है।

नगर में अवैध अतिक्रमण को हटाता प्रशासन का अमला

स्वयं ही हटा लें अतिक्रमण

जिला कलेक्टर के आदेशानुसार जहा जहा अवैध अतिक्रमण है सभी हटाया जाएगा किसी प्रकार की रसूदखोरी नहीं चलने दी जाएगी अब नगर होगा अतिक्रमण मुक्त। अतिक्रमण कारी स्वयं अपना अतिक्रमण हटा दें।

प्रशांत जैन, मुख्य नगरपालिका अधिकारी मंडीदीप

कई दिनों से देखने मे आ रहा था जगह जगह अतिक्रमण करके दुकानदारों द्वारा आवागमन मे अवरुद्ध डाला जा रहा है कल हमने बैंक लाइन का अवैध अतिक्रमण हटाया है जहा सब्जी मंडी को लायन्स पार्क मे शिफ्ट किया गया है ये कार्यवाही निरंतर नगर मे जहा जहा अतिक्रमण है वहा जारी रहेगी।

प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल, नपाध्यक्ष, मंडीदीप

लोकायुक्त टीम ने की कार्रवाई

जनजातीय विभाग के बाबू को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। पिछले 8 दिनों में दूसरी बार लोकायुक्त ने कार्रवाई की है। मंगलवार को जनजातीय कार्य विभाग के बाबू को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ । यह कार्रवाई इंटरकास्ट मैरिज के तहत प्रोत्साहन राशि दिलाने के नाम पर घूस मांगने के मामले में हुई।फरियादी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि उन्होंने 6 महीने पहले इंटरकास्ट मैरिज की फाइल जमा की थी। विभाग में 6-7 महीने घूमने के बाद अब समयसीमा निकल चुकी है। बाबू ने कुल 1 लाख रुपये की मांग की थी–फाइल झेलने पर 20 हजार और बाकी 80 हजार बाद में। प्रवीण ने लोकायुक्त में शिकायत की और वीडियो सबूत भी दिया, जिसमें बाबू का चेहरा साफ दिख रहा है। मंगलवार को उन्होंने 10 हजार रुपये फाइल में रखकर दिए, जिसके बाद लोकायुक्त ने छापा मारा।लोकायुक्त डीएसपी अजय मिश्रा ने बताया कि प्रवीण कुमार का 1 मई 2024 को अंतरजातीय विवाह हुआ था। शासकीय योजना के तहत उन्हें 2 लाख रुपये मिलने थे। शाखा प्रभारी मनोज कुमार सोनी ने 1 लाख रुपये मांगे थे। फरियादी सक्षम न होने पर पहले एसपी के पास शिकायत की गई। मंगलवार को ट्रैप सफल रहा और आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया।बता दे कि 8 दिन पहले कृषि विभाग के एक अधिकारी को 40 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया था। जिले में घूसखोरी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेलवे जोन की जीएम शोभना बंदोपाध्याय पहुंची इटारसी, नहीं की मीडिया से बात

निजी यात्रा के दौरान जीएम की फ्लाइट कैंसिल, कोच में ढाई घंटे ट्रेन का इंतजार

मंगेश यादव। नर्मदापुरम

राज्यसभा में जर्जर ब्रिज का मामला उठने के बाद पश्चिम मध्य रेलवे जोन की जीएम और डीआरएम इटारसी पहुंचे थे। हालांकि ये उनका रूटीन निरीक्षण नहीं था। जीएम शोभना बंदोपाध्याय अपनी निजी यात्रा पर थीं और डीआरएम पंकज त्यागी उनके साथ प्रोटोकॉल में साथ आए थे। दोनों अधिकारियों के इटारसी आने की जानकारी लोगों को लगी, तो कयास लगाए जा रहे थे कि ब्रिज के मामले में आज कोई बड़ा एक्शन होगा। लेकिन सूत्रों से पता चला कि जीएम मैम की फ्लाइट कैंसल हो गई थी, इसलिए वे भोपाल से सड़क मार्ग से इटारसी आईं। इटारसी से वे सीधे ट्रेन से जबलपुर गईं। इटारसी में कार से उतरते ही मीडिया को देखकर वे सहम सी गईं। उन्होंने अपने सुरक्षा गार्ड से कुछ कहा। गार्ड ने तुरंत आगे बढ़ते हुए मोबाइल कैमरे बंद करने का इशारा कर दिया। उनका ये काफिला पैदल स्टेशन से फुट ब्रिज के रास्ते प्लेटफॉर्म नंबर एक पर पहुंच गया। जहां पहले से साइड में खड़े एसी कोच में जाकर जीएम बैठ गईं। सूत्रों के अनुसार करीब दो से ढाई घंटे जीएम जबलपुर जाने के लिए ट्रेन के इंतजार में स्पेशल कोच में बैठी रहीं। लेकिन मीडिया से ढाई मिनट भी जर्जर ब्रिज के गंभीर मुद्दे पर बात करना जीएम ने उचित नहीं समझा। बस चलते-चलते जीएम मीडिया को ये बताना नहीं भूलीं कि ये उनका निजी दौरा है।जब पत्रकारों ने इटारसी से दिल्ली तक गरमाए खस्ताहाल ब्रिज को लेकर बात करनी चाही तो जीएम आधे मिनट रुकीं। जैसे ही पत्रकारों ने जर्जर ब्रिज का सवाल किया तो साथ चल रहे डीआरएम ने जवाब देते हुए कहा कि सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए एफओबी को बंद किया है। जब उन्हें बताया गया कि साहब स्टेशन के एफओबी की बात नहीं कर रहे, हम जर्जर हो चुके हाइवे पर तीसरी लाइन पर बने ओवर ब्रिज की बात कर रहे हैं तो फिर दोनों ही अधिकारी बोल पड़े कि उस मामले में जांच करेंगे, तय करेंगे कि गलती किसकी है फिर कार्रवाई करें।. अरे साहब अब जब,सब सामने है तो फिर भी जांच के नाम पर खानापूर्ति क्यों? जानलेवा बनता जा रहा, जर्जर ब्रिज में जांच के लिए अब बचा ही क्या है। लगता है फील्ड अधिकारी अभी भी पब्लिक से जोड़े इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।...

कांग्रेसियों ने डीआरएम को घेरा

मौका मिलते ही इटारसी नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल ने हाइबे पर बने ओवर ब्रिज के खस्ताहाल मामले में डीआरएम को घेरा। जैसे ही उन्हें जानकारी मिली कि डीआरएम इटारसी स्टेशन पर हैं तो बिना समय गवाए अपने कांग्रेस के साथियों के साथ प्लेटफार्म एक पर पहुँच गए। और ब्रिज के मामले में डीआरएम से चर्चा की, साथ ही गत दिनों एईएन कार्यालय में कांग्रेस द्वारा ज्ञापन देने के मामले की जानकारी भी दी। कि कैसे अधिकारी ज्ञापन देने के पूर्व अपना कार्यालय छोड़कर भाग गए थे। डीआरएम ने दोनों ही मामले में सकारात्मक रिप्लाई दिया। डीआरएम से मिलने के दौरान नगर कांग्रेस अध्यक्ष मयूर जायसवाल के साथ गोल्डी बेस, गौरव चौधरी, सौम्य दुबे, प्रणय मिश्रा, प्रतीक दुबे, शम्मी जायसवाल मौजूद रहे।

जर्जर हो रहे ओवर ब्रिज का मामला

पिछले कुछ दिनों से द पार्क के सामने दो साल पहले बना ओवरब्रिज जो जर्जर होने के बाद से ही सुर्खियों में है। मंगलवार को खस्ताहाल हो चुके ब्रिज का मामला राज्यसभा का मुद्दा भी बना। संसद में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने बड़ी गंभीरता के साथ ब्रिज की आंखों देखी हकीकत बयां की।श्री नारोलिया ने संसद में शून्यकाल के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर जर्जर हो चुके ओवरब्रिज का मामला उठाया। सांसद ने आरोप लगाया कि 28 करोड़ रुपये की इस परियोजना में ठेकेदार कंपनी ने रेलवे और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से घोर लापरवाही बरती।नारोलिया ने सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। इसमें मरम्मत को पारदर्शी निगरानी में कराना, समयसीमा तय करना, ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ब्लैकलिस्ट करना और दोषी अधिकारियों पर कानूनी एक्शन लेने का आग्रह किया।

न्यूज विंडो

डुंगरिया में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

मंडला। जिले के डुंगरिया गांव में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी मौजूद थीं, जिन्होंने गांव में पानी की विकट समस्या से प्रशासन को अवगत कराया। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि पूर्व में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने गांव में बोरिंग कर पाइपलाइन बिछाई थी। हालांकि, बोरिंग धंस जाने और पुराने कुएं का पानी खराब होने के कारण गांव में पेयजल की भारी किल्लत हो गई है। इससे महिलाओं और बच्चों को विशेष रूप से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान में ठंड का मौसम है, लेकिन गर्मी आने पर स्थिति और भयावह हो सकती है।

रतलाम में कड़ाके की ठंड में रातभर यूरिया की लाइन में लगे रहे किसान

रतलाम। नगर में एक बार फिर यूरिया का संकट गहराता नजर आने लगा है। सबसे ज्यादा खराब हालात सूबे के रतलाम जिले के अंतर्गत आने वाले जावरा अनुभाग में देखने को मिल रहे हैं। यहां हालांत ये हैं कि, किसान सुबह नंबर आने की चिंता में रात से ही वेयर हाउस के बाहर कड़ी ठंड में लाइन लगाकर खड़े रहे। जबकि, कुछ किसान तोघरों से बिस्तर लाकर खुले इलाके में बिछाकर सोने को मजबूर हैं। आपको बता दें कि, जिले में बीती रात कड़ाके की ठंड पड़ी है। न्यूनतम 9 डिग्री तापमान और घने कोहरे के बीच यहां यूरिया के लिए किसान रातभर वेयरहाउस के बाहर सो कर सुबह अपने जल्दी नंबर लगने का इंतजार करते नजर आए। कई किसान देर रात पहुंचकर अपने घरों से बिस्तर लाकर खुले आसमान के नीचे बिछाकर नंबर लगाए बैठे रहे।

रिहायशी इलाके में घुसा तेंदुआ छतों और गलियों में लगाता दौड़

मंदसौर। शहर के संजीत नाका इलाके में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां घनी आबादी वाले इलाके में एक तेंदुआ आ घुसा। तेंदुआ कभी इलाके की छतों पर तो कभी गली-मौहल्ले दौड़ लगाता नजर आया, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। आखिरकार तेंदुआ एक निर्माणाधीन मकान में जा घुसा, जहां मकान के कमरे में घुसते ही स्थानीय लोगों ने बाहर से कमरे का दरवाजा लगा दिया, जिससे तेंदुआ कमरे में ही बंद हो गया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी लगते ही, पुलिस मौके पर पहुंची और सबसे पहले क्षेत्र में तितर-बितर दौड़ते लोगों को शांत कराकर ऊंची इमरतों पर पहुंचाया। पुलिस द्वारा वन विभाग को सूचना दे दी गई है। बताया जा रहा है कि, तेंदुए का रेस्क्यू करने गांधी सागर अभयारण्य से अनुभवी रेस्क्यू टीम रवाना हो गई है। फिलहाल, लोगों से अलर्ट रहने को कहा गया है।

हॉकी प्रतियोगिता में हुए तीन रोमांचक मुकाबले

साई बरेली, अमर ज्योति इटारसी और भोपाल टीम ने दर्ज की जीत

इटारसी। दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय महात्मा गांधी स्मृति हॉकी प्रतियोगिता के तीसरे दिन कुल तीन रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को आखिरी क्षण तक रोमांचित रखा। दिन का अंतिम मैच सडन डेथ तक चला।

पहना मैच: दिन का पहला मुकाबला साई हॉस्टल बरेली और सूफियाना अमरावती के बीच खेला गया, जिसमें साई बरेली ने 3-1 से जीत दर्ज की। पहले क्वार्टर में दोनों टीमें पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल पाईं। दूसरे क्वार्टर में अमरावती ने पहला गोल दागकर 1-0 की बढ़त ले ली। तीसरे क्वार्टर में अमरावती के गोलकीपर ने पेनाल्टी स्ट्रोक पर शानदार बचाव किया, लेकिन इसके बाद बरेली के कप्तान जितिन राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। अंतिम क्वार्टर में अमरावती के कासिफ ने एक गोल किया, लेकिन बरेली ने 3-1 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

दूसरा मैच: दूसरे मुकाबले में स्थानीय टीम अमर ज्योति इटारसी ने नरसिंहपुर एकेडमी के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और 8-2 से शानदार जीत हासिल की। इटारसी की ओर से मयंक जेम्स ने दो, ज्ञानसर ने एक और शॉन गिडियन ने चौथा गोल कर टीम को 4-0 की मजबूत बढ़त दिलाई। नरसिंहपुर के विशाल ने एक गोल किया, लेकिन इटारसी के कुणाल ने पांचवां गोल कर दिया। दूसरे हाफ में भी इटारसी का दबदबा जारी रहा। अंत में शॉन गिडियन और मयंक जेम्स ने फिर गोल कर अपनी टीम को 8-2 से बड़ी जीत दिलाई।

तीसरा मैच: दिन का तीसरा और अंतिम मुकाबला सीपीएमजी भोपाल और डीएचए इंदौर के बीच अत्यंत रोमांचक रहा। दोनों टीमें बराबरी पर रहीं, जिसके चलते मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में भी बराबरी रहने पर मुकाबला सडन डेथ प्रणाली तक पहुंचा, जहां भोपाल ने जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया।

पूरे दिन मैचों के सफल संचालन में दीप सिंग ठाकुर, जय सिंह भदौरिया, शेख नियाज, अश्विनी मालवीय, अमित श्रीवास, राकेश रैकवार और पवन कुमार ने सहयोग किया।

लिव-इन प्रेमिका की गला घोंटकर हत्या, प्रेमी गिरफ्तार; पुलिस ने चार दिन में किया खुलासा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

थाना कोतवाली पुलिस ने लिव-इन प्रेमिका की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता गीताबाई (36) की हत्या उसके लिव-इन पार्टनर बलराम उर्फ गोलू सेन (42) ने की थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने हत्या को आत्महत्या दिखाने की नाकाम कोशिश की।12 दिसंबर को पीड़िता के भाई अशोक गोस्वामी ने सूचना दी कि उनकी बहन ने अमर चौक स्थित किराये के मकान में फांसी लगा ली। शुरुआती जांच में शव पर गले के काले निशान मिले, जिससे संदेह हुआ। जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम से पुष्टि हुई कि गीताबाई ने सुसाइड नहीं किया–उसे किसी ने कलाबा वाले धागे से गला घोंटकर मार डाला और साड़ी से लटका दिया।पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस थोटा के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। पूछताछ में पता चला कि गीताबाई पिछले 3-4 साल से बलराम के साथ लिव-इन रिलेशन में थी। दोनों के बीच लगातार झगड़े होते थे। आरोपी 11-12 दिसंबर की रात पीड़िता के घर पहुंचा, जब वह अकेली थी। गला घोंटकर हत्या की और भाग गया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बलराम (नि. बालागंज, अकबरी मस्जिद के पास) को पकड़ा गया। उसने कबूल किया कि वह परेशान होकर हत्या की योजना बना रहा था। आरोपी को कोर्ट में पेश कर दिया गया है। एसपी ने जांच टीम को पुरस्कार की घोषणा की।

मामले का खुलासा करने मे थाना प्रभारी कंचन सिंह, उनि. अनुज बघेल, सउनि. संजय रघुवंशी, आरक्षक रितेश यदुवंशी, गजेंद्र, आशीष राजपूत, रवि कुशवाह, मनीष सोनी, शमीना, कमलेश, संदीप और दीपेश की अहम भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

5.75 करोड़ रुपए से बनेंगी दो सड़कें, किया भूमिपूजन

यह विकास का चक्र निरंतर चलता रहेगा: विधायक

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री द्वारा प्रदत्त विधायक विशेष निधि से बहु प्रतीक्षित एवं जन आकांक्षाओं का ध्यान रखते हुए दो सड़कों का भूमि पूजन किया गया है। यह दोनों सड़कें पौने छः करोड़ रुपए की लागत बनेगी। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा विधायक को मिलने वाली विशेष निधि स्वीकृत सड़क जो ग्राम फरीदपुर से ग्राम मडिया दाखली एवं स्वरूप नगर से सेमरा तक की सड़कों का भूमि पूजन किया है।

यह सड़क 5 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से निर्माण की जाएगी। इन सड़कों का क्षेत्र की जनता के द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही थी। जिसे पूरा करने का विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने जनता को आश्वासन दिया था। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने भूमि पूजन कार्यक्रम जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में भाजपा सरकार ने स्वर्णिम दो वर्ष पूर्ण किए हैं। जिसमें मध्यप्रदेश में सड़कों, बिजली, पेयजल, सिंचाई, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री की विधायक विशेष निधि से जो दो सड़कों की महत्वपूर्ण सौगात दी जा रही है। जिससे क्षेत्र किसानों व्यापारियों नागरिकों विद्यार्थियों मजदूर और आमजनों को सीधा लाभ मिलेगा। आवागमन आसान और ग्रामीण अंचल शहरीय अंचल के सीधे संपर्क में होगा। किसानों को अपनी उपज को बाजार, मंडी में ले जाने के लिए सुविधा होगी। यह विकास का चक्र निरंतर चलता रहेगा मेरा और भाजपा सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक गांव को मुख्य सड़क से जोड़ना है और प्रत्येक व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा में शामिल करना है। जन आकांक्षाएं मेरे लिए सर्वोपरि है। जिसके लिए मैं सदैव सदैव समर्पित हूं। इस दौरान जनपद पंचायत विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह रघुवंशी, जनपद पंचायत सदस्य धर्मेंद्र रघुवंशी, ग्रामीण भाजपा मंडल अध्यक्ष लाखन सिंह रघुवंशी ,तरवर सिंह रघुवंशी, कंछेरीलाल, फरीदपुर एवं सेमरा सरपंच सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यूज विंडो

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का दूसरा चरण आज से

शहडोल। जिले में दुग्ध समृध्दि सम्पर्क अभियान का दूसरा चरण 17 दिसंबर से प्रारम्भ किया जा रहा है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. अशोक कुमार सिंह ने बताया कि हमारे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था के प्रमुख आधार पशुपालकों की आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से जिले में 17 दिसंबर 2025 से से दुग्ध समृध्दि सम्पर्क अभियान का द्वितीय चरण का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत पशुपालन विभाग के क्षेत्रीय अमले द्वारा गांव-गांव पशुपालकों से व्यक्तिशः सम्पर्क किया जायेगा। अभियान में सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी/मैत्री/गौसेवकी व्दारा पशुपालकों से घर-घर जाकर व्दिपक्षीय संवाद करते हुये पशुपालकों को पशु पोषण, पशु स्वास्थ्य एवं नस्ल सुधार एवं सेक्स शॉर्टेड सीमेन से कृत्रिम गर्भाधान के संबंध में जागरुक किया जायेगा एवं उनके लाभ की जानकारी दी जावेगी। साथ ही पशुओं में टैग लगाने संबंधी जानकारी भी एकत्र कर जानकारी पोर्टल में दर्ज कराई जायेगी। अभियान के पहले चरण में 10 या 10 से अधिक गौ-भैंस वंश रखने वाले पशुपालकों से व्यक्तिगत सम्पर्क किया गया था। अब अभियान के व्दितीय चरण में जिले के 731 ग्रामों एवं 40 शहरी वार्डों के 5 से 9 गौ-भैंस वंश रखने वाले 10347 पशुपालकों से घर-घर जाकर सम्पर्क किया जायेगा। जिले के समस्त पशुपालकों से अपील की गई है कि वे दुग्ध समृध्दि संपर्क अभियानश् अंतर्गत विभाग व्दारा संचालित गतिविधियों की अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर अभियान में सहयोग करेंगे।

नगर के साप्ताहिक बाजार में बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था, आमजन परेशान

तेंदूखेड़ा। नगर में प्रत्येक मंगलवार को लगने वाला साप्ताहिक बाजार अब आम जनता के लिए परेशानी का कारण बनता जा रहा है। बाजार के दिन ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाती है, जिससे हर प्रमुख मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है। अव्यवस्थित यातायात के कारण राहगीरों, वाहन चालकों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साप्ताहिक बाजार नगर के मुख्य मार्ग पर लगता है, जहां पहले से ही यातायात का दबाव अधिक रहता है। बाजार के दिन हाथ ठेले, सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता और अन्य दुकानदार सड़क के दोनों ओर अवैध रूप से अपनी दुकानें लगा लेते हैं। विशेष रूप से कानपुर की ओर से आने वाले हाथ ठेले और वाहन मुख्य मार्ग पर खड़े हो जाते हैं, जिससे सड़क की चौड़ाई काफी कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही बाधित हो जाती है और लंबा जाम लग जाता है। पुलिस और नगर प्रशासन द्वारा कोई ठोस व्यवस्था न किए जाने के कारण स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। बाजार के दौरान न तो वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की जाती है और न ही ठेले वालों के लिए कोई निर्धारित स्थान तय किया गया है।

कैमरे बंद होने से पुलिस असामाजिक तत्वों की नहीं कर पा निगरानी

तेंदूखेड़ा। नगर की सुरक्षा में चैराहों एवं मुख्य सड़क मार्गो में नगर परिषद के द्वारा लगाएं गए सीसीटीव्ही कैमरे कई महीनों से बंद पडे हैं। इन दिनों नगर में कई घटनाएं घटित हो चुकी हैं एक सप्ताह के अंदर छात्राओं को जबरन गाडी में बिठाएं जाने के मामले सामने आएं हैं लेकिन सीसीटीव्ही कैमरे चालू न होने के कारण पुलिस को कोई खास सफलता नहीं मिल पाई हैं। ज्ञात हो कि नगर परिषद के द्वारा नगर की सुरक्षा की दृष्टि से लगभग 12 से 13 कैमरे तारादेही तिराहा, हाईस्कूल के पास, दमोह मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास मॉडल स्कूल के पास खकरिया रोड और तारादेही रोड़ पर लगाएं गए हैं जिसका कंट्रोल रूम पुलिस थाना में हैं। कैमरे की क्वालिटी सही नहीं होने के कारण जूम करके देखने पर वाहन तक पहचान में नहीं आता तो नंबर प्लेट पढ़ने की बात तो छोड़ ही दीजिए। पुलिस विभाग के द्वारा नगर परिषद को पत्र के माध्यम से सीसीटीव्ही कैमरे बंद होने की जानकारी भेज दी गई थी लेकिन कुछ दिनों तक कैमरे सुधार कार्य के बाद चालू रहे वर्तमान स्थिती में 2 से 3 कैमरे ही चालू हैं बाकी कई महीनों से बंद पडे हैं। पुलिस थाना के कंट्रोल रूम में टीवी तक बंद पडी हैं। नगर के गणमान्य नागरिकों ने मांग की हैं कि संपूर्ण कैमरे उ'च गुणवत्ता के लगाएं जाएं साथ ही कैमरों के रखरखाव के लिए नगर परिषद समय समय पर सुधार कार्य कराती रहे। जिससे नगर में होने वाले अपराधों के अपराधियों तक पुलिस को पहुंचने में आसानी होंगी। और कैमरों की संख्या भी बढ़ाई जाएं

अज्ञात कारणों से दुकान में लगी आग, सामान जलकर खाक

तारादेही/तेंदूखेड़ा। तहसील के ग्राम तारादेही में मंगलवार की सुबह एक हृदय विदारक घटना सामने आई। जहां जहां पूरन विश्वकर्मा के मकान से जुड़ी इलेक्ट्रिकल एवं मोबाइल की दुकान में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में पूरन विश्वकर्मा के जीवन भर की कमाई और पूरी गृहस्थी जलकर खाक हो गई है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार यह क्षति 35 से 40 लाख रुपये के बीच हो सकती है। सुबह 7 बजे लगी आग, सोता रहा परिवार यह घटना मंगलवार सुबह लगभग 7 बजे के आसपास घटी। पूरन विश्वकर्मा ने बताया कि जब मैं सुबह 6.50 बजे घर से निकला था। तब तक कोई धुआ या आग नहीं थी। कुछ ही देर बाद जब मोहल्ले के लोग वहां से निकलेए तो उन्हें दुकान से धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। तब पड़ोसियों ने तुरंत जोर-जोर से चिल्लाकर सो रहे परिवार के सदस्यों को जगाया। जब तक पूरन विश्वकर्मा और उनके परिजन बाहर निकल पाते। आग ने भीषण रूप ले लिया था। वे सदमे में थे और आनन-फानन में जो कुछ भी बचा सकते थे, उसे बचाने की कोशिश करने लगे आग लगने की प्राथमिक वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरन विश्वकर्मा के घर का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। नुकसान का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुकान का इलेक्ट्रॉनिक सामान, मोबाइल स्मार्टफोन एवं मोबाइल एक्सेसरीज से लेकर ऊपरी कमरे में रखे टीवी, फर्नीचर, पलंग तक कुछ नहीं बचा।

नगर निगम की कार्रवाई: संपत्ति और जलकर की राशि जमा न करने पर महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं डीईओ कार्यालय में जड़ा ताला

जिला शिक्षा विभाग पर करीब ढाई लाख व कॉलेज पर 9 लाख कर बकाया

सागर। दोपहर मेट्रो

सम्पत्ति कर की वसूली के लिए नगर निगम प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं. नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार बकाया करों की वसूली के लिए नगर निगम की टीम द्वारा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में तालाबंदी की कार्रवाई की। नगर निगम को शासकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज से संपत्ति कर एवं जलकर की लगभग 9 लाख रुपए एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से संपत्ति कर की 2 लाख 47 हजार रुपए की राशि लेना है। इसके अलावा पोद्दार कालोनी में बालाजी इंटरप्राइजेज से 64 हजार रुपए संपत्ति कर जमा करवाया । निगमायुक्त ने राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी को निर्देश दिए हैं कि राजस्व वसूली माह दिसम्बर में सभी बड़े बकायादारों से संपर्क कर संपत्ति कर,जलकर, कचरा प्रबंधन शुल्क, दुकानों का किराया जमा कराने की कार्रवाई करें तथा कर जमा न करने वालों के विरुद्ध तालाबंदी की कार्रवाई करें। कार्रवाई के दौरान राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी, अतिक्रमण सह प्रभारी कृष्ण कुमार चौरसिया , राजू रैकवार सहित समस्त कर संग्राहक उपस्थित थे।

'आपकी महापौर आपके द्वार' व जनचौपाल शिविरों की समीक्षा की

आवेदनों का समय सीमा में निराकरण कर सभी महिला सुविधागृह चालू करें: महापौर

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से आयोजित आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल शिविरों में प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा के लिए महापौर संगीता सुशील तिवारी ने समीक्षा बैठक ली ।

बैठक में महापौर द्वारा मधुकरशाह, शिवाजी नगर, गोपालगंज, वृंदावन, गांधी चौक एवं नरयावली नाका वार्ड में आयोजित किए गए शिविरों में भवन भूमि शाखा, योजना शाखा, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, पेंशन प्रकरण, प्रधानमंत्री आवास योजना, नामांतरण, लोककर्म प्रकाश विभाग सहित अन्य विभागों से संबंधित कार्य के 88 आवेदनों की विभागवार समीक्षा की । उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक आवेदन की प्रगति की जानकारी ली तथा स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी आवेदनों का निराकरण शासन के नियमों एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। महापौर ने कहा कि आपकी महापौर आपके द्वार एवं जनचौपाल शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की मूलभूत समस्याओं को सीधे सुनकर उनका त्वरित समाधान करना है ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जिन आवेदनों का निराकरण तत्काल किया जा सकता है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि नागरिकों को बार-बार नगर निगम कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। महापौर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों में दस्तावेजों की कमी अथवा तकनीकी कारणों से निराकरण में समय लग रहा है, उन मामलों में आवेदकों को स्पष्ट जानकारी दी जाए और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाए। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि भविष्य में आयोजित होने वाले शिविरों में प्राप्त आवेदनों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा प्रगति रिपोर्ट समय-समय पर प्रस्तुत की जाए।

उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी

महापौर ने कहा कि सभी महिला सुविधागृह चालू करें यदि बंद पाए जाएं तो संबंधित अधिकारी कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। इसके अलावा जिन स्थानों पर महिला सुविधागृह बनाए जा सकते हैं ऐसे स्थानों को चिन्हित कर कार्रवाई करें। महापौर ने कहा कि नगर निगम प्रशासन नागरिकों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है और जनसरोकार से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में रिशांक तिवारी ,सहायक यंत्री संजय तिवारी, स्वच्छता अधिकारी राजेश सिंह, कार्यालय अधीक्षक मनोज अग्रवाल,राजस्व अधिकारी बृजेश तिवारी, उपयंत्री दिनकर शर्मा, रामाधार तिवारी, महादेव सोनी, आसिमा तिर्की,लेखाधिकारी हर्ष केशरवानी, आयुष शुक्ला, शशांक रावत सहित नगर निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

वार्ड 33 रेलवे कॉलोनी में सूना पड़ा आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों का भविष्य अधर में

शहडोल । दोपहर मेट्रो

जिले के रेलवे कॉलोनी वार्ड 33 के क्रमांक-2 एपीआर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र इन दिनों अपनी बदहाली को लेकर चर्चा में है। स्थानीय वार्डवासियों का आरोप है कि केंद्र में पदस्थ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विजयलक्ष्मी मिश्रा की गंभीर लापरवाही और रसूखपूर्ण रवैये के कारण न तो बच्चे केंद्र आ रहे हैं। न ही शासन की महत्वाकांक्षी आंगनबाड़ी योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है।वार्डवासियों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र अधिकांश समय बंद ही रहता है। केंद्र पर बच्चों की उपस्थिति शून्य के बराबर है, वहीं गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को मिलने वाला टीएचआर (टेक होम राशन) भी नियमित रूप से वितरित नहीं किया जा रहा। महिलाओं का आरोप है कि कई बार केंद्र के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ता है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विजयलक्ष्मी मिश्रा अक्सर केंद्र पर मौजूद नहीं रहतीं। जब वार्डवासी इस संबंध में सवाल करते हैं तो उन्हें टाल दिया जाता है। आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते विभागीय अधिकारी भी कार्रवाई से बचते नजर आ रहे हैं। वार्डवासियों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि सरकार बच्चों के पोषण, शिक्षा और मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदारों की लापरवाही से योजनाएं दम तोड़ रही हैं। आंगनबाड़ी जैसे महत्वपूर्ण केंद्र का इस तरह निष्क्रिय रहना सीधे तौर पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

कैरम प्रतियोगिता के प्रथम व द्वितीय विजेताओं को दिया नकदी पुरस्कार

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

नगर में पशु चिकित्सालय परिसर में कैरम प्रतियोगिता हुई। फाइनल मुकाबले में सिंगल गेम में बंटी यादव और सचिन शर्मा के बीच कड़ा और रोचक संघर्ष देखने को मिला, जिसमें अंतिम दौर तक मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन निर्णायक क्षणों में बंटी यादव ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर सिंगल गेम के विजेता बने। वहीं डबल मुकाबले में नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव और महेश वर्मा की जोड़ी का सामना मिथुन और सलाहुद्दीन से हुआ। यह मुकाबला भी अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें दर्शकों को कई बेहतरीन शॉट देखने को मिले। निर्णायक क्षणों में गजराज यादव द्वारा खेले गए सटीक और रोमांचक शॉट ने जीत की राह आसान कर दी और गजराज यादव एवं महेश वर्मा ने डबल मुकाबले का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले के बाद आयोजक मंडल द्वारा मंच सजाकर विजेता खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। डबल खेल प्रतियोगिता में विजेता टीम गजराज यादव और महेश वर्मा को ट्रॉफी के साथ प्रथम पुरस्कार स्वरूप 9000 रुपये प्रदान किए गए, जबकि उपविजेता टीम मिथुन और सलाहुद्दीन को ट्रॉफी सहित 4500 रुपये का पुरस्कार दिया गया। सिंगल खेल प्रतियोगिता में विजेता बंटी यादव को 5100 रुपये का प्रथम पुरस्कार एवं उपविजेता सचिन शर्मा को 3100 रुपये का द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

कार्यशाला में एनीमिया की रोकथाम की कलेक्टर ने दी जानकारी

फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों का उपयोग कर एनीमिया से किया जा सकता है बचाव

शहडोल। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला में एनीमिया की रोकथाम से बचाव हेतु फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों के उपयोग के संबंध में जानकारी दी गई। कलेक्टर ने बताया कि आयोडीन एवं आयरन तत्वों की कमी से रक्त अल्पता हो जाती है। फोर्टिफाइड चावल एवं डबल फोर्टिफाइड नमक जो उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरित किया जाता है। का उपयोग करके एनीमिया से मुक्ति पाई जा सकती है। फोर्टिफाइड चावल एवं नमक गर्भवती माताओं एवं बच्चों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इस संबंध में जो भी भ्रांतियां हैं उन्हें दूर कर इनका उपयोग अवश्य करें।

कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर काजोल सिंह, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, जिला आपूर्ति अधिकारी विपिन पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा कम होने से शरीर के विभिन्न अंगों में आक्सीजन की पूर्ति ठीक से नहीं हो पाती है। जिससे शरीर में शारीरिक एवं मानसिक व्याधियां उत्पन्न होने लगती हैं। जिसे रक्त अल्पता या एनीमिया कहा जाता है। आयरन की कमी होने से शरीर में आयरन, फोलिक एसिड एवं विटामिन बी12 की कमी हो जाती है। जो शारीरिक मानसिक विकास कार्यक्षमता तथा आने वाली पीढ़ियों के जीवन को प्रभावित करती है।

एनीमिया की पहचान पलक के नीचे सफेदपन, हृदय की गति का तेज होना, होटों के कोने फटना, हाथों की लालिमा में कमी, जीभ का सफेदपन, पैरों में सूजन जिसे दबाने में गड्ढा पड़ जाता है, नाखूनों का टूटना और पीलापन आदि शामिल हैं। एनीमिया से कमजोरी आना, सांस फूलना एकाग्रता में कमी, हाथ एवं पैरों का शून्य पड़ना, चक्कर एवं बेहोसी आना, सर में भारीपन एवं दर्द रहना आदि लक्षण शामिल हैं।

मेट्रो एंकर 69वें राष्ट्रीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता के आयोजन में संयुक्त संचालक बोले-

खिलाड़ी पारदर्शिता के साथ खेलकर राज्य का नाम रोशन करें

सागर। दोपहर मेट्रो

सभी खिलाड़ी पूरी पारदर्शिता के साथ खेलकर अपने राज्य का नाम रोशन करें। सागर आप सभी का घर है और यहां अपने घर समझकर प्रतियोगिता को खेले और अपने राज्य अपने स्कूल अपने जिले का नाम रोशन करें।

उक्त विचार संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शत्रुंजय प्रताप सिंह ने 69 वे राष्ट्रीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता आयोजन की पूर्व संध्या पर देश भर से आए राज्यों की जनरल मैनेजर एवं समिति सदस्यों कोच मैनेजर की बैठक में व्यक्त किए. पांच दिवसीय 69 राष्ट्रीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता के आयोजन के संबंध शत्रुंजय प्रताप सिंह ने देशभर से आए जनरल मैनेजर कोच मैनेजर एवं समिति सदस्यों की बैठक आयोजित कर उनको आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल कंट्रोल रूम को सूचित करें आपकी समस्या का तत्काल निराकरण किया जाएगा उन्होंने कहा कि सागर आप सभी का घर है और यहां अपने घर समझकर प्रतियोगिता को खेले और अपने राज्य अपने स्कूल अपने जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि सभी कोच मैनेजर एवं जनरल मैनेजर अपने अपने राज्य की खिलाड़ियों का वेरिफिकेशन जैसी पूरी कराएं ताकि प्रतियोगिता निष्पक्ष रूप से संपन्न कराई जा सके। इस अवसर पर एस जी एफ आई दिल्ली के नटवर सिंह ने कहा कि सभी खिलाड़ी जो की इस प्रतियोगिता में शामिल हो रहे सभी खिलाडियों का बायोमेट्रिक परीक्षण किया जाएगा और प्रशिक्षण में पास होने के उपरांत थी वह इस प्रतियोगिता को खेल पाएंगे उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ी निष्पक्ष भाव से खेलें। प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी ने प्रतियोगिता के दिशा निर्देश की विस्तार से जानकारी दी और कहा कि आप सभी हमारे एवं सागर जिले के मेहमान हैं आपकी लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी जो भी कमी होगी उसको आपके बताने पर तत्काल दूर किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. आशुतोष गोस्वामी, मनीषा एलेग्जेंडर, अनीता कुमार, सुधीर तिवारी सहित मैनेजर मौजूद थे।

पश्चिम मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु न्यूनतम पात्रता मानदंड पूरी करने वाले एवं विद्युत लाइसेन्स धारी प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निर्धारित प्रपत्र पर इनिविदा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक** : डब्ल्यूसीआर–सीआरडब्ल्यूएस–बीपीएल–ईएल–टी–2025–10 दिनांक : 11.12.2025, **कार्य का नाम** : सी.आर.डब्ल्यू.एस./भोपाल में एनएमजी/एनएमजीएच/एनएमजीएचएस के रखरखाव सुविधाओं के उन्नयन/विकास हेतु चल रहे अम्ब्रेला कार्य से संबंधित अन्य विद्युतीकरण कार्य, **कार्य की लागत** : Rs. 96,31,503.32, **निविदा फार्म का मूल्य** : 0.00, **धरोहर राशि** : Rs. 1,92,600.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 माह, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि** : 02.01.2026 15:00 बजे तक, **निविदा खुलने की तिथि** : 02.01.2026 15:00 बजे के उपरांत, निविदा फार्म व निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक विद्युत शाखा के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

हस्ता.
कृते मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, निशातपुरा, पमरे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

आईपीएल 2026 के सबसे महंगे खिलाड़ियों की लिस्ट, 25.20 करोड़ में बिके कैमरन ग्रीन

नीलामी का 40 फीसदी पैसा केवल 5 खिलाड़ियों पर बरसा

नई दिल्ली, एजेंसी

अबू धाबी के एतिहाद एरीना में मंगलवार को आईपीएल 2026 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हुई। कुल 369 खिलाड़ियों पर बोली लगाई गई, जिसमें 77 खिलाड़ी सोल्ड हुए। सोल्ड प्लेयर्स में 48 भारतीय और 29 विदेशी स्टार्स शामिल थे। देखा जाए तो फ्रेंचाइजी टीम्स ने नीलामी के दौरान कुल 215.45 करोड़ रुपये खर्च किए। लेकिन इस कुल खर्च की गई रकम का करीब 40 फीसदी हिस्सा केवल 5 प्लेयर्स पर लुटाया गया। आइए आपको उनके बारे में बताते हैं...

कैमरन ग्रीन को मिले 25.20 करोड़- इस नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी कैमरन ग्रीन रहे। जिन्हें केकेआर ने 25.20 करोड़ की मोटी रकम में अपने साथ जोड़ा। ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी भी बने। उनका बेस प्राइस 2 करोड़ था। लेकिन उनपर जमकर बोली लगी। ग्रीन इससे पहले 17.50 करोड़ में साल 2023 में बिके थे।

मथीशा पथिराना को 18 करोड़- केकेआर ने ही इस सीजन की दूसरी सबसे महंगी बोली लगाई। उन्होंने श्रीलंका के गेंदबाज मथीशा पथिराना को 18 करोड़ में खरीदा। यानी केकेआर ने केवल दो खिलाड़ियों के लिए 43.20 करोड़ खर्च कर दिए। तीसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे कार्तिक शर्मा जिन्हें चेन्नई सुपरकिंग्स ने 14.20 करोड़ में खरीदा।

प्रशांत और कार्तिक 14-14 करोड़ में बिके

प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा के लिए यह दिन हमेशा यादगार रहेगा। दोनों खिलाड़ी आईपीएल इतिहास के संयुक्त रूप से सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बन गए।ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। दोनों खिलाड़ियों का बेस प्राइस 30 लाख रुपये था और आखिरकार दोनों ही 14.20 करोड़ रुपये में बिके। जैसा कि आईपीएल ऑक्शन में पहले भी देखने को मिला है, दोनों खिलाड़ियों की कीमत में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा दोनों के दाम में उनके बेस प्राइस के मुकाबले 4,633.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अब ये दोनों खिलाड़ी चेन्नई सुपर किंग्स के भविष्य का अहम हिस्सा होंगे।

लिविंगस्टोन पर हैदराबाद ने चला दांव

नीलामी के पहल चरण में लियाम लिविंगस्टोन पर कोई बोली नहीं लगी थी। लेकिन जब दोबारा नीलामी शुरू हुई तो लियाम लिविंगस्टोन की किस्मत खुल गई। सनराइजर्स हैजराबाद ने उन्हें 13 करोड़ की कीमत में खरीदा। यानी इस सीजन के टॉप-5 खिलाड़ियों पर आईपीएल टीमों ने करीब 86 करोड़ रुपये खर्च किए गए। कुल 215 करोड़ की बोली लगाई गई। यानी नीलामी का 40 फीसदी हिस्सा केवल 5 खिलाड़ियों पर ही खर्च कर दिया गया।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चौथा टी-20 मुकाबला आज

टीम इंडिया आज जीती तो सीरीज होगी अपनी

लखनऊ में अब तक नहीं हारा भारत सूर्या-गिल को बड़ी पारी का इंतजार

लखनऊ, एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी-20 सीरीज का चौथा मुकाबला आज लखनऊ में खेला जाएगा। टीम इंडिया सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत ने पहला मैच 101 रन से जीता था, इसके बाद साउथ अफ्रीका ने मुल्लांपुर में खेले गए दूसरे मैच में 51 रन से जीतकर वापसी की, लेकिन तीसरे मैच में धर्मशाला में भारत ने 7 विकेट से जीत हासिल करते हुए फिर बढ़त बना ली।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम में भारत का रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम इंडिया ने यहां अब तक खेले गए तीनों मुकाबले जीते हैं। इस मैदान पर भारत ने आखिरी टी-20 मुकाबला 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था, जिसमें टीम ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। हालांकि सीरीज के पहले तीन मैचों में कप्तान सूर्यकुमार यादव और उपकप्तान शुभमन गिल का बल्ला खामोश रहा है। दोनों खिलाड़ी अब तक बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं। धर्मशाला में भारत की जीत के दौरान गिल ने 28 रन बनाए थे, जो इस सीरीज में उनका बेस्ट स्कोर है, जबकि सूर्यकुमार यादव ने तीन मैचों में 12, 5 और 12 रन बनाए हैं। ऐसे में लखनऊ में दोनों से बड़ी पारी की उम्मीद होगी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत आगे भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक कुल 34 टी-20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें से टीम इंडिया ने 20 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि साउथ अफ्रीका को 13 मुकाबलों में सफलता मिली है। दोनों टीमों के बीच एक मैच बेनतीजा रहा है।

अक्षर पटेल आखिरी 2 मैचों से बाहर

अक्षर पटेल इस सीरीज के आखिरी दो मैचों से बाहर हो गए हैं। बीमारी के चलते वे तीसरा टी-20 मुकाबला भी नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई ने उनकी जगह लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को स्क्वॉड में शामिल किया है।

वर्मा ने एक फिफ्टी लगाई

इस सीरीज में भारत की ओर से तिलक वर्मा सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने 3 मैचों में 114 रन बनाए हैं और स्ट्राइक रेट 114.00 का रहा है। इस दौरान तिलक ने एक अर्धशतक भी लगाया है। गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 3 मैचों में 6 विकेट झटके हैं।

मार्करम साउथ अफ्रीका के के टॉप स्कोरर

अब तक हुए 23 टी-20 में साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान ऐडन मार्करम टॉप रन स्कोरर हैं। उनके नाम 104 रन हैं। इस दौरान उन्होंने एक अर्धशतक भी लगाया है। गेंदबाजी में लुंगी एनगिडी ने टीम के लिए अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने 3 मैचों में 56 विकेट लिए हैं।

दोनों टीमों पॉसिबल प्लेइंग-XI

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हर्षित राणा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अर्शदीप सिंह।

साउथ अफ्रीका: ऐडन मार्करम (कप्तान), रीजा हेंड्रिक्स, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), डेवॉल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्त्या, लुंगी एनगिडी और ओर्टनील बार्टमैन।

पहले बैटिंग करने वाली टीम ने 84 फीसदी मुकाबले जीते

इकाना स्टेडियम की पिच आमतौर पर धीमी मानी जाती है। यहां रन बनाना थोड़ा मुश्किल होता है। शुरुआत में तेज गेंदबाजों को थोड़ी मदद मिल सकती है, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है, स्पिन गेंदबाज ज्यादा असरदार हो जाते हैं। इस पिच पर बड़े स्कोर कम ही बनते हैं, इसलिए बल्लेबाजों को संयम से खेलना पड़ता है। यहां अब तक 6 टी-20 इंटरनेशनल खेले गए हैं। इसमें 5 में पहले बैटिंग और केवल 1 मैच चेज करने वाली टीम ने जीता है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले बैटिंग चुन सकती है।

12 डिग्री सेल्शियस न्यूनतम तापमान रहेगा

बुधवार को होने वाले इस मैच में मौसम पर भी खास नजरें होंगी। एक्यूवेदर के अनुसार यहां पर 19 डिग्री सेल्शियस अधिकतम और 12 डिग्री सेल्शियस न्यूनतम तापमान रहेगा। ड्यू

भगवान का नाम जपने का अभ्यास करो

प्रेमानंद जी ने विराट-अनुष्का को दिया आध्यात्मिक ज्ञान

वृंदावन। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन के वराह घाट स्थित श्री हित राधा केली कुंज में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन करने पहुंचे। मुलाकात के दौरान प्रेमानंद महाराज ने विराट और अनुष्का के साथ आध्यात्मिक चर्चा की। सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं। वीडियो में कोहली और अनुष्का भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। प्रेमानंद महाराज जब प्रवचन दे रहे हैं, तो अनुष्का भावुकता से सुन रही हैं। प्रेमानंद महाराज ने कहा, ÷अपने काम को सेवा समझो, गंभीरता से जियो, विनम्र रहो, और भगवान का नाम जपने का अभ्यास करो। भगवान की एक झलक पाने की गहरी इच्छा होनी चाहिए। उन्हें देखने की चाहत होनी चाहिए। इंसान को यह एहसास होना चाहिए कि दुनिया की सारी खुशियां पहले ही मिल चुकी हैं, और अब सिर्फ भगवान को चाहना है, और एक बार ऐसा हो जाने पर, सारी खुशियां उनके चरणों में आ जाती हैं।÷

हम सब श्री जी के बच्चे

विराट कोहली ध्यानपूर्वक प्रेमानंद महाराज की बात सुन रहे थे। वहीं अनुष्का ने कहा, हम आपके हैं, महाराज जी। इस पर प्रेमानंद महाराज ने कहा, हम सब श्री जी के हैं। हम उनकी दिव्य सुरक्षा में रहते हैं। हम सब उनके बच्चे हैं। विराट कोहली अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ अक्सर प्रेमानंद महाराज से मिलने जाते रहते हैं। साल 2025 की ये उनकी तीसरी यात्रा थी। पूर्व में दोनों जनवरी में अपने बच्चों के साथ वृंदावन गए थे। इसके बाद मई में भी दोनों ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए थे। विराट कोहली टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं। उनका पूरा ध्यान अब वनडे क्रिकेट पर है। विराट का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 है। हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ संपन्न वनडे सीरीज के तीन मैचों में 2 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए वे प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। वहीं अनुष्का फिलहाल फिल्मों से दूर हैं और अपने बच्चों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

फराह खान ने कुनिका सदानंद को दी नया बॉय-फ्रेंड बनाने की सलाह

कंट्रोल फ्रीक पर की चर्चा

बॉलीवुड में अक्सर फिल्मी सितारे अपने काम के साथ-साथ निजी जिंदगी से जुड़े अनुभव भी साझा करते रहते हैं। इस कड़ी में फिल्ममेकर और मशहूर कोरियोग्राफर फराह खान ने अभिनेत्री कुनिका सदानंद के साथ बातचीत की। हाल ही में वह कुनिका सदानंद के घर पहुंची। इसी दौरान उन्होंने हंसते हुए कुनिका को सलाह दी कि अब शायद उन्हें नया बॉयफ्रेंड ढूंढ लेना चाहिए।

इस मजाक की शुरुआत तब हुई, जब कुनिका सदानंद ने बिग बॉस 19 से जुड़ा एक पुराना किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान फराह खान ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कंट्रोल फ्रीक कहा था। उस समय यह बात उनको बहुत बुरी लगी थी और वह अंदर से टूट गई थीं। कुनिका ने स्वीकार किया कि फराह की उस टिप्पणी के बाद वह रो पड़ी थीं और उन्हें काफी दुख हुआ था। कुनिका ने बताया, उस घटना के बाद मैंने अपने व्यवहार और रिश्तों पर गंभीरता से सोचना शुरू किया। मुझे एहसास हुआ कि मैं अपनी पूरी जिंदगी में लोगों को इतना ज्यादा प्यार और ध्यान देती रही हूं कि कई बार सामने वाले को घुटन महसूस होने लगती थी। मैं रिश्तों में हर चीज को संभालने और कंट्रोल करने की कोशिश करती थी, चाहे वह दोस्ती हो, प्यार हो या परिवार का रिश्ता। जब मैंने यह आदत धीरे-धीरे कम की, तो मुझे खुद के भीतर एक सकारात्मक बदलाव महसूस हुआ। कुनिका ने फराह से बातचीत के दौरान कहा, अब मुझे लगता है कि आपकी बात पूरी तरह गलत नहीं थी।

यह भी बोली फराह

फराह खान ने बताया कि वह खुद भी पहले काफी कंट्रोलिंग हुआ करती थीं, खासकर घर के मामलों में। उन्होंने कहा, फिल्मों के सेट पर काम करते हुए हर चीज पर नजर रखना और हर किसी को निर्देश देना उनकी आदत बन चुकी थी। यही आदत धीरे-धीरे उनकी निजी जिंदगी में भी आ गई थी। लेकिन, समय के साथ मैंने महसूस किया कि हर चीज को कंट्रोल करना जरूरी नहीं होता। फराह ने कहा, अब मैं जानबूझकर घर पर चीजों को छोड़ना सीख रही हूं। मैं अपने परिवार को अपने फैसले खुद लेने देती हूं और उन्हें अपनी गलतियों से सीखने का मौका देती हूं। जब लोग बड़े हो जाते हैं, तो हमें उन्हें हर कदम पर रोकने या टोकने की जरूरत नहीं होती।

सोनम ने शेयर की अजूबा की क्लिप

बताया शशि ने कैसे बढ़ाया था हौसला

अभिनेता बनने का सपना हर किसी का होता है, लेकिन इसे पूरा करना आसान नहीं होता। फिल्मी दुनिया में बड़े सितारे, चमकते सेट और कलरफुल कैमरे के बीच छोटे अभिनेता अक्सर खुद को खोते हुए महसूस करते हैं। इस कड़ी में अभिनेत्री सोनम खान ने एक ऐसा ही किस्सा फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म अजूबा के गाने की एक छोटी सी क्लिप पोस्ट की और बताया कि वह सेट पर पहली बार इतनी बड़ी भीड़ का सामना कर रही थीं।

सोनम खान ने अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि जयपुर में फिल्म अजूबा के गाने मैं मिट्टी का गुड्डा की शूटिंग उनके लिए कितनी चुनौतीपूर्ण थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, उस समय सोशल मीडिया और इंटरनेट का जमाना नहीं था, इसलिए आम जनता के लिए अभिनेता को सड़क पर या किसी सार्वजनिक जगह पर देखना बहुत ही कम होता था। लेकिन जब कैमरा चल रहा होता था, वहां बड़ी संख्या में लोग जमा हो जाते थे। रोजाना लगभग 400 लोग शूटिंग देखने के लिए आते थे। इतनी भीड़ और लोगों का ध्यान खींचना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण अनुभव था। सोनम ने बताया कि इस भीड़ के कारण वह अक्सर अपने डांस स्टेप्स भूल जाती थीं। उस समय फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें लगातार पुलिस द्वारा होटल तक सुरक्षित ले जाया जाता था। यह अनुभव सच में तनावपूर्ण था। उन्होंने कहा, लगातार लोग चिल्लाकर नाम पुकारते थे और देखते थे।

मेट्रो बाजार

भारत के पेंट उद्योग का आकार 2030 तक 16.5 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत का पेंट और कोटिंग्स उद्योग साल 2030 तक तेजी से बढ़ने वाला है। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, इस उद्योग के हर साल लगभग 9.4 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने का अनुमान है। साल 2024 में यह 9.6 अरब डॉलर था, जो अगले 5 वर्षों में बढ़कर 16.5 अरब डॉलर हो सकता है। रुबिक्स डेटा साइंसेज (रुबिक्स) की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि इस उद्योग की बढ़त के कई कारण हैं। देश में तेजी से शहरीकरण, लोगों की आय में बढ़ोतरी, नई इमारतों व सड़कों का निर्माण और घरों की संख्या बढ़ना इसकी मुख्य वजहें हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है और सरकार इसे आने वाले 5 वर्षों में टॉप पर पहुंचाना चाहती है, जिससे कारों और फैक्ट्रियों में इस्तेमाल होने वाले पेंट और कोटिंग्स की मांग बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी और ग्रामीण) जैसी योजनाओं के कारण भी पेंट उद्योग को फायदा मिल रहा है। इन योजनाओं के तहत लाखों घर बनाए जा रहे हैं, जिससे पेंट की मांग बढ़ रही है। हालांकि पेंट उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में इस क्षेत्र को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। बड़ी पेंट कंपनियों का मुनाफा कम हुआ, शहरों में मांग थोड़ी धीमी रही और कंपनियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

भारतीय निवेशक अब विदेशी बाजारों मे भी कर रहे निवेश, स्टॉक ब्रोकरों के नियमों की होगी समीक्षा

नई दिल्ली। भारतीय निवेशक धीरे-धीरे और बुद्धिमान बनते जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ये निवेशक अब केवल एक ही शेयर में निवेश करने के बजाय अमेरिकी शेयर बाजार, इंडेक्स और थीमेटिक ईटीएफ, निजी बाजार के अवसरों और वैश्विक फंडों में भी निवेश कर रहे हैं। वेस्टेड फाइनेंस की रिपोर्ट के अनुसार, यह पोर्टफोलियो निर्माण के अधिक सुनियोजित दृष्टिकोण और वैश्विक बाजार में भागीदारी को लेकर बढ़ती सहजता को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, शोध, डिजिटल साधनों और शिक्षा तक पहुंच ने इस बदलाव को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खासकर महानगरों से बाहर के शहरों में। रुपये की कीमतों में गिरावट ने वैश्विक निवेश को और भी प्रासंगिक बना दिया है। लगातार अवमूल्यन से दीर्घकालिक परिणाम ऐसे बदलते हैं जिन्हें अक्सर मुख्य आंकड़े पूरी तरह नहीं दर्शा पाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विदेशी इक्विटी और डेट में निवेश 2018-19 के 42.2 करोड़ डॉलर से चार गुना बढ़कर 2024-25 में 1.7 अरब डॉलर हो गया।

बाजार नियामक सेबी शेयर और म्यूचुअल फंड हाउस के ब्रोकरों के नियमों की समीक्षा करेगा। साथ ही, अनिवासी भारतीयों के लिए केवाईसी जरूरतों में ढील देने और क्लोजिंग ऑक्शन सत्र भी शुरू करने पर चर्चा होगी। बोर्ड की बुधवार को बैठक होगी। इसमें नियामक के चेयरमैन सहित उच्च अधिकारियों की संपत्तियों को सार्वजनिक करने पर भी विचार किया जाएगा। सेबी बोर्ड एक उच्च स्तरीय पैनल की रिपोर्ट पर विचार करेगा, जिसमें हितों के टकराव से बचने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की संपत्तियों के सार्वजनिक खुलासे की सिफारिश की गई है। बैठक में नियामक पैनल की रिपोर्ट पर चर्चा होगी। इसमें सेबी के शीर्ष अधिकारियों के हितों के टकराव को दूर करने के लिए अधिक खुलासे के जरिये पारदर्शिता लाने के लिए सुधारों का प्रस्ताव है।

दिल्लीवासियों को प्रदूषण से मिली मामूली राहत

अब गंभीर से बहुत खराब श्रेणी में पहुंची एक्यूआई

नई दिल्ली, एजेंसी

राजधानी में लगातार तीन दिन से हवा गंभीर श्रेणी में बनी रही। मंगलवार के बाद अब बुधवार को भी कुछ राहत मिली लेकिन हालात अब भी बेहतर नहीं हैं। सुबह की शुरुआत धुंध और कोहरे से हुई और आसमान में स्मॉग की हल्की चादर दिखाई दी, जिसकी वजह से कई इलाकों में दृश्यता बेहद कम रही। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली के अनुसार, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 329 दर्ज किया गया, जो हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इससे पहले मंगलवार को 354 एक्यूआई दर्ज किया गया था।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार तक हवा बेहद खराब श्रेणी में बरकरार रहेगी। इसके चलते सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही, लोगों को आंखों में जलन, खांसी, खुजली, सिर दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा मंगलवार को कई इलाकों में गंभीर और बेहद खराब श्रेणी में हवा दर्ज की गई।

मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव- अध्ययनों से पता चला है कि वायु प्रदूषण से अवसाद, स्किजोफ्रेनिया, बाइपोलरडिसऑर्डर और व्यक्तित्व विकारों का जोखिम बढ़ता है।

जानें एक्यूआई रीडिंग के मानक- एक्यूआई रीडिंग को अच्छा (0-50), संतोषजनक (51-100), मध्यम प्रदूषित (101-200), खराब (201-300), बहुत खराब (301-400), और गंभीर (401-500) श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

वायु प्रदूषण आपको कैसे करता है प्रभावित

हवा में मौजूद प्रदूषकों को लंबे समय तक सांस के जरिए लेने से कोशिकाओं में सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव, इम्यूनसप्रेशन और म्यूटाजेनिसिटी होती है, जो फेफड़े, हृदय और मस्तिष्क सहित अन्य अंगों को प्रभावित करती है। ये सूक्ष्म कण हैं, जो फेफड़ों और रक्त धारा में प्रवेश कर सकते हैं। दिल्ली की हवा में 2.5 और 10 माइक्रोन से छोटे कण मुख्य प्रदूषक हैं।

पश्चिम देशों में यहूदियों पर हो रहे हमले पर बोले नेतन्याहू

यहूदी नहीं होते तो नहीं होता अमेरिका का भी अस्तित्व

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यहूदी त्योहार के दौरान हुए हमले के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पश्चिमी देशों से यहूदी समुदाय की सुरक्षा को लेकर कड़ी और स्पष्ट अपील की है। नेतन्याहू ने कहा है कि दुनियाभर में यहूदियों को निशाना बनाया जा रहा है और एंटीसेमिटिज्म एक बार फिर खतरनाक रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि अगर यहूदी नहीं होते तो अमेरिका का अस्तित्व नहीं होता।

एक बयान में नेतन्याहू ने कहा कि यह केवल यहूदी समुदाय की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह पूरी सभ्यता की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने यहूदी इतिहास का जिक्र करते हुए मक्काबियों के संघर्ष को याद किया और कहा कि जैसे उस दौर में यहूदियों के अस्तित्व को मिटाने की कोशिश की गई थी, वैसे ही आज भी यहूदी समुदाय को खत्म करने के प्रयास हो रहे हैं।

नेतन्याहू ने कहा, ÷हम आज वही लड़ाई लड़ रहे हैं जो मक्काबियों ने लड़ी थी। वे यहूदी लोगों और यहूदी आस्था के अस्तित्व के लिए लड़े थे। अगर वे असफल हो जाते, तो न यहूदी धर्म होता और न ही जूडियो-क्रिश्चियन सभ्यता का अस्तित्व होता। कोई हकाबे नहीं होता। कोई अमेरिका नहीं होता। आजादी की सभ्यता नहीं होती।÷ उन्होंने यह भी कहा कि आज की स्वतंत्रता, साझा मूल्य और परंपराएं उसी विरासत का परिणाम हैं।

पश्चिमी देशों से की अपील

इजरायली प्रधानमंत्री ने पश्चिमी सरकारों को चेतावनी देते हुए कहा कि एंटीसेमिटिज्म को हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है। उन्होंने साफ शब्दों में मांग की कि यहूदी समुदाय को पर्याप्त सुरक्षा और संरक्षण दिया जाए। नेतन्याहू ने कहा, ५मैं पश्चिमी सरकारों से मांग करता हूं कि वे एंटीसेमिटिज्म से लड़ने के लिए जरूरी कदम उठाएं और यहूदी समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

लुधियाना सेंट्रल जेल में कैदियों के दो गुटों हिंसक झड़प, सुपरिंटेंडेंट पर हमला

लुधियाना (पंजाब)। लुधियाना के ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल जेल में दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई जिससे जेल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कार्रवाई की लेकिन गुस्साए कैदियों ने पुलिस अधिकारियों पर भी हमला कर दिया। इस हमले में सेंट्रल जेल के सुपरिंटेंडेंट कुलवंत सिद्धू गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सिर में चोट आई जिसके बाद उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत पर निगरानी रखी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक जेल के अंदर हवालाती और कैदियों के दो गुटों के बीच बहस के बाद स्थिति हिंसक हो गई।

गुटों के बीच हुई इस झड़प ने देखते ही देखते बेकाबू रूप ले लिया जिससे पूरे जेल परिसर में तनाव फैल गया। जेल प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाया लेकिन जैसे ही वे मौके पर पहुंचे कैदियों के एक गुट ने उन पर हमला कर दिया।

ऋषिकेश में बेकाबू एसयूवी ट्रक के नीचे घुसी, 4 दोस्तों की मौत, शरीर के टुकड़े रोड पर बिखरे

ऋषिकेश। उत्तराखंड के ऋषिकेश में तेज रफ्तार महिंद्रा एक्यूवी 500 कार सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकराकर उसके नीचे घुस गई, जिससे मौके पर ही कार में सवार 4 दोस्तों की मौत हो गई। कार हरिद्वार की ओर से आ रही थी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीर तुरंत मदद के लिए दौड़े। इसी दौरान पुलिस को सूचना दी गई। कोतवाली ऋषिकेश के मुताबिक, 16 दिसंबर की रात ऋषिकेश कंट्रोल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि पीएनबी सिटी गेट के पास एक कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दी है। सूचना मिलते ही कोतवाली ऋषिकेश, श्यामपुर चौकी और आईडीपीएल चौकी से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा।

गाड़ी काटकर शव बाहर निकाले- पुलिस ने मुताबिक, हादसा मनसा देवी मंदिर के रेलवे फाटक के पास हुआ। क्षत-विक्षत शव बाहर निकालने के लिए पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मांस के टुकड़े सड़क पर इधर-उधर बिखर गए थे। वाहन काटकर शव को निकालना पड़ा। हादसा करीब मंगलवार रात 10 बजे हुआ। पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन तब तक दो मौत हो चुकी थी और उसके कुछ देर बाद दो और दोस्तों ने दम तोड़ दिया।

चारों लोकल के रहने वाले- मृतकों की पहचान धीरज जायसवाल पुत्र दीनबंधु जायसवाल निवासी चंद्रेश्वर नगर दुर्गा मंदिर रोड ऋषिकेश, हरिओम पांडे पुत्र अरविंद कुमार निवासी हनुमान मंदिर गुमानीवाला ऋषिकेश, कर्ण प्रसाद पुत्र तुलसी प्रसाद लक्कड़ घाट ऋषिकेश, सत्यम कुमार पुत्र मंगल सिंह निवासी गुज्जर बस्ती के तौर पर हुई है।

जयशंकर ने इस्राइली मंत्रियों से की मुलाकात

आतंकवाद-व्यापारिक सहयोग पर मंथन

तेल अवीवी, एजेंसी

भारत और इस्राइल के रिश्तों को और मजबूती देने की दिशा में बड़ा कूटनीतिक कदम सामने आया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को यरूशलम में इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बरकात से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच निवेश, नवाचार और व्यापारिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। जयशंकर ने भरोसा जताया कि भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा होगा, जिससे आर्थिक साझेदारी को नई गति मिलेगी।

दो दिन के इस्राइल दौरे पर पहुंचे जयशंकर ने देश के शीर्ष नेतृत्व से भी बातचीत की। उन्होंने इस्राइल के विदेश मंत्री गिडियन साआर, राष्ट्रपति इसहाक हरजोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब प्रधानमंत्री नेतन्याहू के प्रस्तावित भारत दौरे की तैयारियां चल रही हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेतन्याहू के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद इस्राइली प्रधानमंत्री ने जल्द मुलाकात का संकेत दिया था। जयशंकर ने निर बरकात के साथ बैठक के बाद कहा कि दोनों देशों ने निवेश और नवाचार सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौता जल्द पूरा होने से आर्थिक साझेदारी को बड़ा लाभ मिलेगा।

आतंकवाद पर भारत-इस्राइल की सख्त नीति

जयशंकर ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि भारत और इस्राइल दोनों ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हैं। जयशंकर ने इस्राइल को भारत के आतंकवाद विरोधी संघर्ष में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप के खिलाफ दोनों देश एकजुट हैं। इस दौरान जयशंकर ने इस्राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट किया। यहां उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से नेतन्याहू को गर्मजोशी भरी शुभकामनाएं दी।

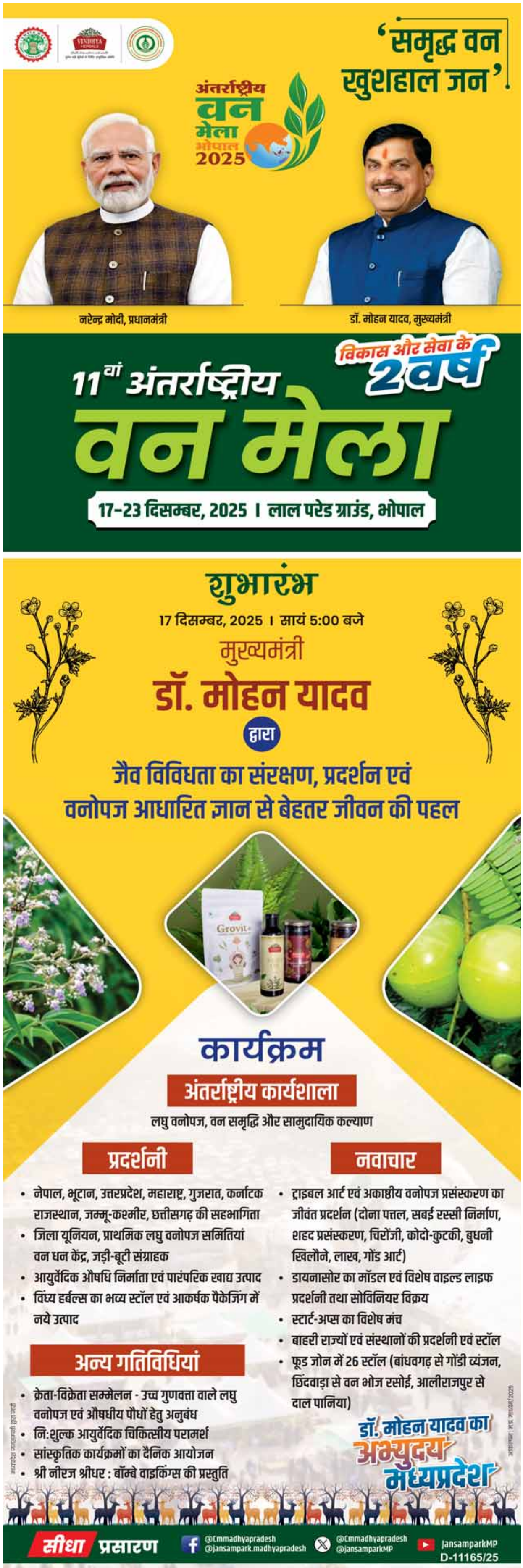

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564